राजस्थान पत्रिका
जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू
अजमेर
Rashtradoot
अजमेर, बुधवार 21 अक्टूबर, 2026
epaper.rashtradoot.com

*Images shown are for representation purposes only. Actual product, colours and features may vary, and colours may differ due to printing limitations. Sierra #DARK is available on select variants only. Features shown are variant-specific and may not be available across all variants or powertrains. Specifications, features and prices are subject to change without prior notice. Prices mentioned are the starting all-India ex-showroom prices of Sierra #DARK and Sierra Legend Series; registration, insurance, taxes and other charges are extra. Bharat NCAP safety rating is applicable only to tested variants. Tata Motors Passenger Vehicles Limited reserves the right to modify, extend or withdraw Sierra #DARK, Sierra Legend Series, or any variant, feature or price therein, wholly or partly, at its sole discretion without prior notice. For details, contact your nearest authorised TATA.CARS dealership. T&C apply." Offer valid on select variants only. Availability and offer benefits are subject to stock availability.

ROSHAN MOTORS : RAJA PARK : 9619087477, AJMER ROAD : 7506023244, BAGRU : 7506023244, CHAKSU : 9619087477. **AKAR FOUR WHEELS :** VAISHALI NAGAR : 7506023152, DAUSA : 7506023152. BANDIKUI : 7506023152, LALSOT : 7506023152. **AUTOPLEX AV :** SITABARI, TONK ROAD : 7506023155, SIRSI ROAD : 9167317424, BASSI : 7506023155, DUDU : 7506023155, MALPURA : 7506023155, RENWAL : 7506023155. **PRATAP NEXGEN :** GOPALPURA, TONK ROAD : 9167104018, KALWAR : 9251997742, JOBNER : 9251997741, HATHOJ : 9619014929. **TECHWHEELS :** JAGATPURA : 7506023175, MANSAROVAR EXT. : 7045288538, AMBER : 7506023175, SHAHPURA : 7506023175, TONK : 7506023175, PAOTA : 7506023175, **SHREE SHYAM MOTORS :** MANSAROVAR : 9167276401, SIKAR ROAD : 7506023263, CHOMU: 7045290440, KOTPUTLI : 7045290440. **AUTOPRIME TATA :** PRATAP NAGAR, JODHPUR : 7506023278, BHAGAT KI KOTHI : 7506023278, BALOTRA : 7506023278, PALI : 7506023278, JALORE : 7506023278, BARMER : 7506023278, SUMERPUR: 9167081392, BHINMAL : 7506023278, **CHAMBAL MOTORS :** KOTA : 7506023291, JHALAWAR : 7506023291, BARAN : 7506023291, BHAWANI MANDI : 7506023291, ITAWA : 7506023291, AKLERA : 7506023291, ANTAH : 7506023291, CHHABRA : 7506023291, **CHAMBAL MOTOCORP LLP :** UDAIPUR : 7506023432, BANSWARA : 7506023432, SAGWARA : 7506023432, SALUMBAR : 7506023432, **BRIJWHEEL AUTOMOBILES (P) LTD. :** BHARATPUR : 9619304832, HINDAUN : 9619304832, DHOLPUR : 9619304832, KARAULI : 9619304832, DEEG : 9619304832, NAGAR : 9619304832, **CLASSIC MOTORS :** ALWAR : 7506023041, BHIWADI : 7506023041, BEHROR : 7506023041, RAJGARH : 7506023041, THANAGHAJI : 7506023041, KHAIRTHAL : 7506023041, NEEMRANA : 7506023041, KHERLI : 7506023041, **DAKSH AUTOMOTIVES PVT. LTD. :** NAGAUR : 7506023356, DIDWANA : 9167049809, KUCHAMAN: 7412056814, **DUNAC AUTOMOBILES :** Nr. DUDI PETROL PUMP, NH-15, BIKANER : 7506023077, Nr. HALDIRAM PYAU, JAIPUR ROAD, BIKANER : 9619867987, Nr. TOLARAM BAFNA SCHOOL, GANGA SHAHAR, NOKHA ROAD : 9167187427, 3 ML HANUMANGARH BYEPASS ROAD, NH 62, SRI GANGANAGAR : 7506023393, HANUMANGARH : 9167050425, ANUPGARH : 7506023393, SURATGARH : 9619361561, NOHAR : 7045186472, SHRI DUNGARGARH : 8291676257, NOKHA : 9619868159, BHADRA : 9057160025, PHALODI : 7506023077, **KAMAL PASSENGER VEHICLES (P) LTD. :** KOTA : 9783277666, 9521366269, SAWAI MADHOPUR: 9694909999, GANGAPUR: 7568405700, BUNDI : 9983438244, NAINWA : 9672430303, RAMGANJ MANDI : 9887405887, RAWAT BHATA : 9887405882, **MARUDHARA MOTORS :** JODHPUR : 7506023285, **MUDGAL MOTORS :** KHASRA No. 275, BHUNABAY Nr. ZAYAKA RESTAURANT, JAIPUR ROAD, AJMER : 7506023019, KISHANGARH : 7506023019, BEAWAR : 7506023019, BIJAY NAGAR : 7506023019, KEKRI : 7506023019, **SHRI CHARBHUJA AUTOMOBILES :** MERTA CITY : 7506023295, DEGANA : 7506023295, MAKRANA : 7506023295, **SHRI KRISHNA FOUR WHEELS :** JAIPUR ROAD, SIKAR : 7506023385, JAIPUR ROAD CHURU: 7506023385, NEEM KA THANA : 7506023385, SRI MADHOPUR : 7506023385, SUJANGARH : 7506023385, RAJGARH : 7506023385, RATANGARH : 7506023385, **SHRI KRISHNA RAJ FOUR WHEELS :** NEAR RTO JAIPUR ROAD, JHUNJHUNU: 8879335708, SURAJGARH BYEPASS ROAD, CHIRAWA: 8879335708, GUDHA GORJI : 8879335708, **SP AUTOMOTIVE :** UDAIPUR : MADRI : 8291328070, SECTOR-11 : 9619145960, ABU ROAD : 8291328070, DUNGARPUR : 8657731142, **YASH MOTORS :** BHILWARA : 7506023055, CHITTAURGARH : 7506023055, RAJSAMAND : 7506023055, PRATAPGARH : 7506023055, DEOLI : 7506023055, SHAHPURA: 7506023055.

विचार बिन्दु

मन की प्रसन्नता से समस्त मानसिक और शारीरिक रोग दूर हो जाते हैं। –रामदास

देशी पर्वों व उत्सवों पर हावी होती बाज़ार संस्कृति

दशहरे के साथ त्योहारों का मौसम शुरू हो गया है। ये हमारे सांस्कृतिक पर्व हैं। लेकिन उनका सांस्कृतिक महत्व अब बाज़ार ने हमसे छीन लिया है। हर कहीं गरबा के व्यावसायिक ईवेंट हो रहे हैं। राजस्थान का घूमर विस्मृत हो गया है, क्योंकि उसका कोई प्रायोजक नहीं है। हमारी स्थानीय लोक संस्कृतियों को गुमनामी के अंधेरे में धकेलने में राज्य भी पीछे नहीं है। राज्य कभी कला और संस्कृति की पवित्रता का संरक्षक हुआ करता था वह भी नासमझी में ईवेंट के जाल में फंस कर उसे बिगाड़ने में लगा है। हमारे त्यौहार उत्सव होते हैं। उनमें सुकून भरा मनोरंजन होता है। औपचारिकताओं से मुक्त खुशियों भरा आपसी मिलन त्यौहारों का माहौल बनाता है। मगर अब सिर्फ प्रायोजित धमाल होता है जिसमें उत्पादों और सेवाओं के ग्राहक होते हैं। पैसा कमा कर बाज़ार का पेट भरने की अंधी दौड़ में उलझे लोग ईवेंट में पैसा खर्च करके अपनी उदासियां दूर करने आते हैं। बाज़ार की अपनी संस्कृति होती है जिसमें मुनाफे के अलावा कुछ नहीं होता। उसमें धैर्य भी नहीं होता। मुनाफा भले ही अपराध करके कमाया जाय, मगर उसे तुरंत कमाना होता है। संस्कृतियां एक-दूसरे पर असर डालती रही हैं। इतिहास में कभी-कभी कोई संस्कृति किसी दूसरी पर हावी हुई भी लगती है। यह एक धीमी सामान्य सामाजिक प्रक्रिया रही है। लेकिन आज के समय में बाज़ार की ताकतें अपने हिसाब से सांस्कृतिक रुझान बनाती हैं और उन्हें बेचती हैं। समाजशास्त्री इसे मोनोकल्चर मार्केटप्लेस कहते हैं, जहां स्थानीय पहचान को कमोडिटी बना दिया जाता है। सुपरमार्केट के गलियारों, स्ट्रीमिंग एल्गोरिदम और हमारे शहरों के फास्ट-फ़ैशन बुटीक में इसे स्पष्ट देखा जा सकता है। सांस्कृतिक लेन-देन अब माइग्रेशन, भूगोल या आध्यात्मिक खोज से नहीं होता, बल्कि वह बाज़ार की ताकतों से चलता है। आधुनिक बाज़ार कल्चरल ट्रेंड्स थोपता है, और चतुराई से स्थानीय संस्कृति को विस्मृत होने की ओर धकेलता है। कॉर्पोरेट-ड्रिवन मोनोकल्चर विरासतों को एफिशिएंसी, स्केल और प्रॉफिट की वेदी पर बलि चढ़ा देता है। संस्कृति ब्रांड नहीं होती। मगर ईवेंट के लिये ब्रांड जरूरी होता है और हम स्पष्ट देख रहे हैं कि कैसे बाज़ार अपने मुनाफे के लिये संस्कृति को ब्रांड में बदल दे रहा है। पहले, संस्कृतियों के मेलजोल में सदियां लगती थीं, जिससे समुदायों को खुद को ढालने, फिर से समझने और अपनी मुख्य पहचान बनाए रखने का समय मिलता था। आज, एक एल्गोरिदम कुछ ही घंटों में किसी भी एस्थेटिक ट्रेंड को पॉपुलर बना सकता है। जब कोई स्थानीय परंपरा मल्टी-बिलियन-डॉलर मार्केटिंग सिस्टम से टकराती है, तो यह बराबरी की लड़ाई नहीं होती है। स्थानीय संस्कृति इसलिए पीछे नहीं रह जाती क्योंकि वह कमतर होती है, बल्कि इसलिए पिछड़ जाती है क्योंकि उसे व्यवस्थित तरीके से किनारे किया गया होता है। बड़ी टेक कंपनियों से नियंत्रित जिस डिजिटल-इकोसिस्टम में हम रहते हैं उसे विज्ञापन की आय से मुनाफा कमाने के लिये डिज़ाइन किया जाता है। वे आसानी से पचने वाले कंटेंट के लिए ऑप्टिमाइज़्ड एल्गोरिदम का इस्तेमाल करते हैं। स्टैंडर्डाइज़्ड प्रोडक्ट बनाना सस्ता होता है; मार्केट में उसे वितरित करना और बेचना भी आसान होता है। कला, संगीत या कहानी कहने के बारीक, स्थानीय तरीकों को परे धकेल दिया जाता है। हाइपरमार्केट और ग्लोबल रिटेल चेन धीरे-धीरे पारंपरिक हाट-बाज़ार, स्वतंत्र कारीगर और स्थानीय खुदरा दुकानों की जगह लेती जाती है। इस तरह आधुनिक एयर-कंडीशन्ड मॉल या डिजिटल क्विक-कॉमर्स ऐप लेन-देन का एटमाइज़ेशन ले आते हैं। बाज़ार शहरीकरण की होड को भी बढ़ाता है क्योंकि ज़मीन-जायदाद के सौदों में सबसे अधिक मुनाफा होता है।

राजस्थान जैसे कठोर भौगोलिक पारिस्थितिकी में 'एस्थेटिक' का जलवा इंसानी हिम्मत की जीत थी। मरु प्रदेश की रंगीन चमकीली पगड़ियां और घाघरे सोशल मीडिया फ़ीड के लिए डिज़ाइन नहीं किए गए थे; वे एक बेरहम रेगिस्तान को चुनौती देते हुए खुश रहने के मानवीय प्रयास थे। राजस्थानी संगीत कोई एम्बिएंट लाउंज ऑडियो नहीं था। वह ओरल लिटरेचर था जिसमें सदियों की रिश्तों, त्याग, मौसम और बारिश की स्मृतियां बसती थीं। हमारी संस्कृति में संगीत कभी भी पैसिव मनोरंजन नहीं रहा; वह विविधता वाले जीवंत समुदायों की आध्यात्मिक अनुभूति होती थी। लेकिन बाज़ार को असली सांस्कृतिक विविधता नहीं भाती है, क्योंकि इसमें ऐसे मूल्य शामिल होते हैं जिन्हें मोनेटाइज़ नहीं किया जा सकता। बाज़ार अलग-अलग एस्थेटिक्स की इजाज़त तो देता है, लेकिन एक जैसा बिहेवियर चाहता है। स्थानीय कला संस्कृति के रचनाकार को पश्चिमीकृत, अंग्रेजी केंद्रित टेम्पलेट में फिट होने के लिए अपने स्टाइल, भाषा और थीम को बदलने को मजबूर होना पड़ता है। अब सामुदायिक ज़िम्मेदारियां बाज़ार की मुनाफे की सोच और खुली अर्थव्यवस्था ने हथिया ली हैं, जिसमें सोशल सेफ्टीनेट नष्ट हो गया है। ग्लोबल कॉर्पोरेशन सदियों की कम्युनिटी की इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी से प्योर सरप्लस वैल्यू निकालते हैं। फाइव-स्टार हेरिटेज होटलों या लग्ज़री रेगिस्तानी कैंपों में कॉकटेल पीने वाले पर्यटकों के लिए घंटों चलने वाली पवित्र गाथाएं दस मिनट के बैकग्राउंड मनोरंजन में बदल दी जाती हैं। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म रेगिस्तान के असली संगीत की जगह छोटे, ऑटो-ट्यून हुक की मांग करते हैं। पारंपरिक संगीतकारों की नई पीढ़ी को आम कमर्शियल बीट्स की ओर जाने को ललचाया जाता है। मौसम के हिसाब से चलने वाले खाने का खत्म होना अपनी आंखों के सामने सबने देखा है। ज़बरदस्त मार्केटिंग ने प्रोसेस्ड स्नैक्स को गांव-गांव, बस्ती-बस्ती में फैला दिया है। यहां तक कि राजस्थानी देशी खाने की चीजों का भी व्यवसायीकरण हो गया है। उन्हें महंगी दावतों में परोस कर आम आदमी की थाली से छीन लिया गया है। देशी भवन निर्माण का जो हुनर स्थानीय आब-ओ-हवा के हिसाब से सदियों में विकसित हुआ था, जिसमें चूना पत्थर की दीवारें सांस लेती थी, बीच के आंगन कुदरती हवा आने देते थे। सब समाप्त हो गया हैं। उनकी जगह कंक्रीट के जंगल खड़े हो गए हैं। बाज़ार के हिसाब से बनने वाले निर्माण फेक्टरियों में बने कंक्रीट और बड़े कांच के बाहरी हिस्सों पर इतराते हैं जो गर्म जलवायु के लिए बिल्कुल मुफीद नहीं होते हैं। उन्हें रहने लायक बनाने के लिये ज़्यादा ऊर्जा की खपत वाली एयर कंडीशनिंग की ज़रूरत होती है। इस प्रकार स्थानीय संस्कृति में रचे-बसे आर्किटेक्चर की जगह बाहर के आर्किटेक्चरल टेम्पलेट सर्वत्र पसर गये हैं। राज्य भी बाज़ार की पूरी गिरफ्त में है, जो सांस्कृतिक विरासत को बचाने का सिर्फ दिखावे के तौर पर प्रदर्शन करता है। राज्य कॉर्पोरेट टूरिज्म का समर्थन करता है जो बड़े शहरों और कस्बों के असली ऐतिहासिक मोहल्लों को सजावटी बैकग्राउंड की तरह काम में लेता है। रिहायशी जगहों को, बुटीक, होम-स्टे और एस्प्रेसो और कॉन्टिनेंटल ब्रेकफास्ट बेचने वाले टूरिस्ट कैफों में बदल दिया जाता है। पुराने शहर के बाशिंदे बाहर निकल रहे हैं क्योंकि मोहल्लों को व्यावसायिक मंच में तब्दील किया जा रहा है। बाज़ार की ताकतें स्थानीय संस्कृति को महलों में होने वाली शादियों, आम यादगार चीज़ों की दुकानों और स्क्रीन-प्रिंटेड फ्लेक्स के एक चुने हुए खेल के मैदान में बदल कर संस्कृति को इतिहास में धकेल देती हैं। तब समुदाय इकोलॉजिकल तालमेल, आपसी निर्भरता और कारीगरी के हुनर को खो देते हैं। अलग-अलग संस्कृतियां समस्याओं को हल करने, दुख को समझने और खुशी महसूस करने के अलग-अलग तरीके बताती हैं, मगर बाज़ार एक बना बनाया खांचा देता है।

सांस्कृतिक लेन-देन अब माइग्रेशन, भूगोल या आध्यात्मिक खोज से नहीं होता, बल्कि वह बाज़ार की ताकतों से चलता है। आधुनिक बाज़ार कल्चरल ट्रेंड्स थोपता है, और चतुराई से स्थानीय संस्कृति को विस्मृत होने की ओर धकेलता है। कॉर्पोरेट-ड्रिवन मोनोकल्चर विरासतों को एफिशिएंसी, स्केल और प्रॉफिट की वेदी पर बलि चढ़ा देता है।

संस्कृति को बाज़ार की चक्की से बचाने का मतलब यह नहीं है कि इसके लोगों को गरीबी में धकेल दिया जाए या उन्हें आधुनिकरण से दूर रखा जाए। इसके लिए एक ऐसा इकोनॉमिक इकोसिस्टम बनाने की ज़रूरत है जहां स्थानीय पहचान की सॉवरेन वैल्यू कॉर्पोरेट ट्रेंड्स से ज़्यादा हो। असली गांव के कामों की मदद करना, पवित्र जगहों का सम्मान करना और असली हाथ से बने सामान की सही कीमत देना इन परंपराओं को ज़िंदा रखने के लिए ज़रूरी है। इसमें राज्य और समाज दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। लोकतान्त्रिक व्यवस्था में नीति निर्माताओं से यह पूछना हमारा फ़र्ज़ बनाता है कि क्या हमारी जीवंत विरासतों की किस्मत तय करने की इजाज़त कॉर्पोरेट बैलेंस शीट को देनी चाहिए? यह पूछा जाना सामयिक है कि राजस्थान को ऐसी कॉर्पोरेट-स्पॉन्सर्ड परछाई क्यों बनाया जा रहा है जिसमें सिर्फ दरबारी और सामंती परंपराओं का महिममंडन होता है। ऐसे सवाल पूछे जाने का यही समय है। यह पैसिव नॉस्टैल्जिया से आगे बढ़कर स्ट्रक्चरल डिफेंस में शामिल होने का समय है। सरकारों को बाध्य करना होगा कि वे सांस्कृतिक विरासत को उसी प्रकार ज़रूरी 'पब्लिक गुड' (सार्वजनिक कल्याण) माने जिस प्रकार साफ़ हवा या पानीको माना जाता है। स्थानीय इतिहास, स्थानीय भाषाओं और ट्रेडिशनल इकोलॉजिकल नॉलेज पर ज़ोर देने के लिए शिक्षा पाठ्यक्रम को उपनिवेशी नज़रिये से बाहर निकालना होगा। युवा पीढ़ी को सिखाना होगा कि वे अपनी विरासत को अतीत की पुरानी निशानी के तौर पर नहीं, बल्कि भविष्य को आगे बढ़ाने के लिए एक एडवांस्ड टूल के तौर पर देखें। सांस्कृतिक विविधता उतनी ही ज़रूरी है जितनी बायोडायवर्सिटी इस धरती के बने रहने के लिए जरूरी है। जब बाज़ार की ताकतें किसी स्थानीय संस्कृति को खत्म करती हैं, तब समुदाय ज़िंदगी को देखने का अपनी कलेक्टिव जीनियस का एक हिस्सा खो देता है। अब समय आ गया है कि बाज़ार के अनदेखे हाथ को रोका जाए और उन अलग-अलग संस्कृतियों को बचाने वाला हाथ बढ़ाया जाए, जो हमारी दुनिया को रहने लायक बनाती हैं। नीति निर्माताओं को समझना होगा कि ऐसा करके ही राजाओं के शासन से लेकर औपनिवेशिक दौर और आजादी के बाद के दशकों तक चला आ रहा गरीबी का भूगोल बदला जा सकता है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

हम स्वतंत्र व निष्पक्ष पंचायत चुनाव हेतु प्रतिबद्ध

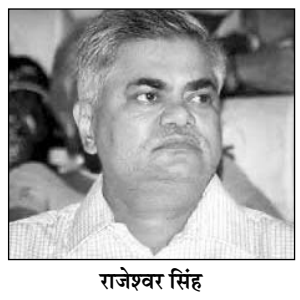

राजेश्वर सिंह

प्रश्न –सर्वप्रथम नगरीय निकायों के चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए आपको बधाई। इसके मुकाबले पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव को आप कितना चुनौतीपूर्ण मानते हैं ?

उत्तर: नगरीय चुनाव कुल 309 नगरीय निकायों के 10845 पार्षद पदों के लिए हुए थे जबकि पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव 41 जिला परिषदों 457 पंचायत समितियों एवं 14403 ग्राम पंचायतों के कुल 155138 जन प्रतिनिधि पदों के लिए संपन्न होंगे। इस प्रकार यह चुनाव ज्यादा विशद, व्यापक और चुनौतीपूर्ण है।

प्रश्न – पंचायती राज चुनाव कितने चरणों में कराने की योजना है और इसके लिए क्या तैयारियाँ की गई हैं?

उत्तर: ये चुनाव चार चरणों में संपन्न होंगे। इसके लिए लोक सूचना क्रमश: 8 अक्टूबर, 13 अक्टूबर, 19 अक्टूबर तथा 31 अक्टूबर 2026 को प्रकाशित होगी। प्रथम चरण में पोलिंग पार्टी 21 से 25 अक्टूबर, द्वितीय चरण में 26 से नवंबर तक तृतीय चरण में दीपावली के तुरंत बाद 13 से 17 नवंबर 2026 तक ग्राम पंचायत मुख्यालय पर रहकर चुनाव कराएगी। जिला परिषद व पंचायत समिति सदस्य पद की मतगणना दिनांक 20 नवंबर 26 को जिला मुख्यालय पर होगी जबकि जिला प्रमुख, उप जिला प्रमुख, प्रधान,पंचायत समिति एवं उप प्रधान, पंचायत समिति का चुनाव क्रमश: 25, 26, 27 एवं 28 नवंबर 2026 को संपन्न होगा।

प्रश्न – ग्राम पंचायत मुख्यालय पर पोलिंग पार्टी का पाँच दिवसीय कार्यक्रम किस प्रकार निर्धारित किया गया है?

उत्तर: पहले दिन पोलिंग पार्टी ग्राम पंचायत मुख्यालय पर पहुँचेगी। दूसरे दिन जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य के लिए ईवीएम के माध्यम से मतदान होगा। तीसरे दिन सरपंच व वार्ड पंच के लिए नामांकन लिया जाएगा व चुनाव चिन्ह आवंटित होगा। चौथे दिन इन पदों के लिए बैलट पेपर द्वारा मतदान व मतगणना होगी तथा चुनाव परिणाम घोषित होगा। पांचवें दिन प्रात: काल वार्ड पंचों के द्वारा उपसरपंच का अप्रत्यक्ष रीति से चुनाव कराकर पोलिंग पार्टी मुख्यालय हेतु प्रस्थान करेगी।

प्रश्न – जिला परिषद एवं पंचायत समिति का चुनाव ईवीएम से तथा सरपंच व वार्ड पंच का चुनाव बैलट पेपर से क्यों कराया जा रहा है ?

उत्तर: राजस्थान में मात्र 10 हजार इवीएम उपलब्ध है। शेष इवीएम केंद्रीय चुनाव आयोग व मध्य प्रदेश राज्य चुनाव आयोग से प्राप्त की गई है जो मात्र जिला परिषद व पंचायत समिति सदस्य का चुनाव कराने के लिए ही पर्याप्त है। इस वजह से सरपंच व वार्ड पंच का चुनाव बेलट पेपर से कराया जा रहा है।

प्रश्न – सरपंच एवं वार्ड पंच को अपने चुनाव चिह्न के प्रचार-प्रसार के लिए अत्यल्प समय दिया गया है। इस संबंध में आप क्या कहेंगे?

उत्तर: जब से सरपंच एवं वार्ड पंच का पद श्रेणी विशेष के लिए आरक्षित हुआ है, तब से ही संभावित उम्मीदवारों द्वारा चुनाव प्रचार किया जा रहा है। सोशल मीडिया के इस युग में चुनाव चिन्ह को मतदाताओं तक पहुंचाना बहुत बड़ी समस्या नहीं है। मात्र 10 समर्पित कार्यकर्ताओं की टीम के बल पर यह कार्य बखूबी किया जा सकता है। इसके अलावा सभी मतदान केंद्र ग्राम पंचायत मुख्यालय पर स्थित है अत: इसमें ज्यादा दिक्कत नहीं आएगी। 2015 तक इसी पद्धति से चुनाव होते थे। उस समय तो सोशल मीडिया का भी इतना प्रचलन नहीं था।

प्रश्न – आपने 457 पंचायत समिति मुख्यालयों पर 10 अक्टूबर, 26 को एक साथ प्रत्याशी प्रबोधन कार्यशालाएं आयोजित की। इसकी जरूरत क्यों पड़ी और इससे क्या लाभ हुआ है ?

उत्तर: आयोग मुख्यालय पर तथा मेरे सोशल मीडिया पेज पर सैकड़ों की संख्या में नामांकन के साथ लगने वाले डाक्यूमेंट्स एवं योग्यता / निर्योग्यता के संबंध में प्रश्न पूछे जा रहे थे। अत: उचित समझा गया कि एक साथ एक जगह पर सारी जिज्ञासाओं का समाधान कर दिया जावे। यह नवाचार सफल रहा और इसकी अत्यधिक सराहना हुई।

प्रश्न – आचार संहिता की पालना के लिए क्या दिशा निर्देश दिए गए हैं ?

उत्तर: वर्तमान में आचार संहिता ग्रामीण क्षेत्रों में लागू है। इस दौरान नई घोषणाओं एवं नई नियुक्तियों पर प्रतिबंध है। जो विकास कार्य पूर्व से चल रहे हैं, वे चलते रहेंगे परंतु नवीन कार्यादेश जारी नहीं किये जा सकते। राजकीय भवनों पर पोस्टर बैनर लगाना प्रतिबंधित है जबकि निजी भवनों पर भी भवन मालिक की अनुमति से ही पोस्टर बैनर लगाया जा सकेंगे। रात्रि 10:00 बजे से प्रात: काल 6:00 बजे तक लाउडस्पीकर का प्रयोग प्रतिबंधित है। दिन में भी लाउडस्पीकर का प्रयोग सक्षम अधिकारी की अनुमति से ही किया जा सकेगा। नामांकन जुलूस व विजय जुलूस बैन किए गए हैं।

प्रश्न – चुनाव के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए क्या इंतजाम किए गए हैं?

उत्तर: प्रत्येक मतदान केंद्र पर पुलिस बल एवं होमगार्ड की व्यवस्था की गई है। संवेदनशील मतदान केंद्रों व क्रिटिकल मतदान केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस बल की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा ग्राम पंचायत के समूह पर जोनल मजिस्ट्रेट, प्रत्येक पंचायत समिति में एरिया मजिस्ट्रेट एवं पुलिस पेट्रोलिंग पार्टी की व्यवस्था की गई है। आयोग मुख्यालय एवं प्रत्येक जिला कलेक्ट्रेट में 24 घंटे कार्यरत नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है।

प्रश्न – अधिकतम मतदान व मतदाता जागरूकता के लिए क्या कदम उठाए गए हैं ?

उत्तर: जिला प्रशासन तथा स्कूल, कॉलेज के इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब के सहयोग से मतदाता जागरूकता रैली, सांस्कृतिक कार्यक्रम, एक खेल लोकतंत्र के नाम, एक दीप लोकतंत्र के नाम, मेहंदी, पोस्टर मेकिंग, स्लोगन मेकिंग, आशुभाषण, निबंध आदि प्रतियोगितायें तथा पंचायत प्रश्नोत्तरी आदि गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है जिससे निश्चित रूप से मतदान प्रतिशत बढ़ाने में मदद मिलेगी।

प्रश्न – दिव्यांग एवं वरिष्ठ मतदाताओं के लिए क्या विशेष व्यवस्थाएँ की गई हैं?

उत्तर: दिव्यांग मतदाताओं को घर से लाने ले जाने की व्यवस्था की गई है, जबकि वरिष्ठ मतदाताओं के लिए पृथक कतार, कुर्सी व पेयजल की व्यवस्था की गई है। इसके लिए एनसीसी / एनएसएस का सहयोग भी लिया जाएगा।

प्रश्न – ग्रामीण मतदाताओं के लिए आपका क्या संदेश है?

उत्तर: ग्रामीण मतदाता किसी भी अनुचित दबाव या प्रलोभन में आए बिना जाति, धर्म से ऊपर उठकर बुद्धिमान, विचारवान, भविष्यदृष्टि संपन्न, कुशल एवं कर्मठ पंचायत प्रतिनिधियों के चुनाव हेतु कृत संकल्प हों ताकि महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज की संकल्पना को मूर्त रूप दिया जा सके।

-राजेश्वर सिंह,
राज्य निर्वाचन आयुक्त, राजस्थान

देवी के चरण, बेटी का मान

बेटे की चाह में बेटी के महत्व को भूल जाना हमारी सामाजिक सोच का ऐसा विरोधाभास है, जिस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। संतान का लिंग नहीं, उसका स्वास्थ्य, शिक्षा, आत्मनिर्भरता और बेहतर भविष्य हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

डॉ. अर्चना गोदारा

नवरात्रि में नौ छोटी बच्चियों को चुनरी ओढ़ाकर उनके चरण छूते समय शायद ही कोई यह सोचता हो कि जिन पैरों में आज देवी के दर्शन किए जा रहे हैं, उन्हीं पैरों से चलकर आने वाली बेटी का जन्म कुछ घरों में उदासी क्यों ले आता है। जिन कन्याओं को घर बुलाकर भोजन कराया जाता है, उनके सम्मान में कोई कमी नहीं रखी जाती, उन्हीं जैसी किसी बच्ची के अपने घर में जन्म लेने पर कभी-कभी परिवार की खुशियाँ फीकी क्यों पड़ जाती हैं? यह प्रश्न धर्म या आस्था पर नहीं, हमारी सामाजिक मानसिकता पर है। देवी की पूजा हमारी संस्कृति की एक सुंदर परंपरा है। उसमें शक्ति, समृद्धि, साहस और मातृत्व के प्रति श्रद्धा के भाव जुड़े हैं। लेकिन इस परंपरा के बीच दिखाई देने वाला एक विरोधाभास सोचने को विवश करता है। नवरात्रि में कन्या को देवी मानने वाला समाज वर्ष के बाकी दिनों में बेटी को बेटे के बराबर मानने में संकोच क्यों करता है? बेटे की कामना में व्रत रखने वाली स्त्री की आस्था पर प्रश्न उठाना उचित नहीं, लेकिन यह समझना आवश्यक है कि उसके मन में बेटे को लेकर इतनी गहरी आकांक्षा पैदा कहाँ से होती है। क्या यह केवल उसकी अपनी इच्छा है, या पीढ़ियों से चली आ रही सामाजिक अपेक्षाओं ने उसके भीतर यह धारणा बैठा दी है कि बेटे के बिना परिवार अधूरा है? मेरे आसपास के कस्बों और छोटे शहरों में दिखाई देने वाले ऐसे अनेक दृश्य इस प्रश्न को और गहरा कर देते हैं।

इस मानसिकता की जड़ें केवल किसी एक स्त्री की सोच में नहीं, बल्कि परिवार, परंपरा, सामाजिक प्रतिष्ठा और पीढ़ियों से चले आ रहे व्यवहार में छिपी हैं। कई घरों में सास अपनी बहू से सीधे या परोक्ष रूप से बेटे की अपेक्षा करती है। कभी कहा जाता है कि वंश आगे बढ़ाने वाला चाहिए, कभी बुढ़ापे का सहारा बेटे को बताया जाता है और कभी परिवार की प्रतिष्ठा को पुत्र से जोड़ दिया जाता है। बहू के गर्भवती होने पर परिवार की निगाहें संतान के स्वस्थ जन्म से अधिक इस प्रश्न पर टिक जाती हैं कि बेटा होगा या बेटी। बेटी जन्म ले तो सांत्वना के स्वर सुनाई देते हैं कि कोई बात नहीं, अगली बार बेटा हो जाएगा। इन शब्दों में छिपा संदेश उस माँ तक ही सीमित नहीं रहता, बल्कि घर की बड़ी हो रही बेटियों के मन तक भी पहुँचता है। वे धीरे-धीरे समझने लगती हैं कि उनके जन्म से परिवार की कोई इच्छा अधूरी रह गई थी। मनोविज्ञान की दृष्टि से यह स्थिति महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि बच्चे अपने बारे में केवल कही गई बातों से नहीं, बल्कि अपने साथ किए जाने वाले व्यवहार से भी धारणा बनाते हैं। यदि भाई को बेहतर भोजन, अधिक स्वतंत्रता, पढ़ाई के अधिक अवसर और अपनी पसंद चुनने का अधिकार मिलता है, जबकि बहन से त्याग और समझौते की अपेक्षा की जाती है, तो उसके भीतर हीनता, असुरक्षा या अपने ही परिवार में कम महत्त्वपूर्ण होने का भाव विकसित हो सकता है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि कई सासें और घरेलू महिलाएँ स्वयं इसी सोच के बीच पली-बढ़ी होती हैं। उन्होंने अपने जीवन में बेटे को परिवार का गौरव और बेटी को दूसरे घर की अमानत मानते देखा है। इसलिए वे कभी अनजाने में, तो कभी सामाजिक दबाव में, वही व्यवहार आगे बढ़ा देती हैं जो उन्होंने स्वयं सहा था। इसका अर्थ यह नहीं कि हर सास ऐसी होती है या हर माँ बेटे को ही प्राथमिकता देती है। अनेक महिलाएँ इस सोच को बदलने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। लेकिन बदलाव के लिए यह स्वीकार करना जरूरी है कि स्त्री केवल इस मानसिकता की शिकार ही नहीं, कई बार अनजाने में उसकी वाहक भी बन जाती है।

इस सोच का सांस्कृतिक पक्ष भी कम महत्त्वपूर्ण नहीं है। हमारे व्रतों, त्योहारों और धार्मिक कथाओं की लोकप्रिय व्याख्याओं में अक्सर पुत्र प्राप्ति, पुत्र की दीर्घायु और पुत्र के माध्यम से परिवार की उन्नति की कामना प्रमुखता से सुनाई देती है। अनेक परिवारों में संतान के सुख और स्वास्थ्य की प्रार्थना करने के बजाय विशेष रूप से बेटे के जन्म की मन्नत माँगी जाती है। यह कहना उचित नहीं होगा कि हमारी सभी धार्मिक परंपराएँ बेटियों को कमतर मानती हैं। भारतीय संस्कृति में स्त्री शक्ति की आराधना और विदुषी, साहसी तथा स्वतंत्र महिलाओं की अनेक परंपराएँ भी मौजूद हैं। समस्या तब पैदा होती है, जब हम अपनी परंपराओं के उन्हीं अर्थों को अधिक महत्त्व देते हैं जो बेटे को प्राथमिकता देते हैं, जबकि समानता और करुणा का संदेश पीछे छूट जाता है। नवरात्रि में कन्या पूजन करने वाले परिवारों में से कुछ ऐसे भी होते हैं जहाँ घर की अपनी बेटी से भाई की इच्छा के लिए त्याग करने को कहा जाता है। पूजा के दिन छोटी बच्चियों के लिए पकवान बनाए जाते हैं, उनके चरण छुए जाते हैं, लेकिन त्योहार समाप्त होते ही वही समाज बेटी की शिक्षा, उसके खानपान, उसकी स्वतंत्रता और उसके भविष्य को लेकर सीमाएँ तय करने लगता है। यह किसी पूजा की आलोचना नहीं, बल्कि उसके सामाजिक व्यवहार में उतरने की आवश्यकता की ओर संकेत है। साहित्य भी हमें रिश्तों की इसी जटिलता को समझने में सहायता करता है। मुंशी प्रेमचंद की रचनाओं में पारिवारिक संबंधों, सामाजिक प्रतिष्ठा और मानवीय संवेदना के बीच का संघर्ष बार-बार दिखाई देता है। जीवन में आगे चलकर कौन माता-पिता का सहारा बनेगा, यह उसके लिंग से तय नहीं किया जा सकता। अनेक बेटियाँ अपने माता-पिता की बीमारी में उनकी देखभाल करती हैं, आर्थिक जिम्मेदारियाँ उठाती हैं और कठिन समय में उनके साथ खड़ी रहती हैं। अनेक बेटे भी पूरी निष्ठा से अपने माता-पिता की सेवा करते हैं। इसलिए तुलना का प्रश्न ही गलत है। जरूरत इस बात की है कि हर बच्चे को इतना सक्षम बनाया जाए कि वह अपना जीवन सम्मान से जी सके और अपनी इच्छा से परिवार तथा समाज के प्रति जिम्मेदारी निभा सके। हमें बच्चों को इस आधार पर नहीं परखना चाहिए कि वे हमारे बुढ़ापे में क्या देंगे, बल्कि इस आधार पर उनका पालन-पोषण करना चाहिए कि हम उन्हें कैसा मनुष्य बना रहे हैं। माता-पिता के लिए इससे बड़ी उपलब्धि क्या होगी कि उनकी संतान स्वस्थ हो, आत्मनिर्भर हो, अपने निर्णय लेने में सक्षम हो और अपने काम से समाज में पहचान बनाए? यदि वह आगे चलकर सुविधासंपन्न जीवन जीती है, तो यह उसके परिश्रम और अवसरों का परिणाम होगा। यदि जीवन में कठिनाइयाँ आएँ, तो भी उसके पास उनसे जूझने की क्षमता होनी चाहिए। यह लक्ष्य बेटे और बेटी, दोनों के लिए समान है। जिस दिन घर में बच्चों का मूल्य उनके लिंग के बजाय उनके स्वास्थ्य, शिक्षा, संवेदनशीलता और संभावनाओं से तय होने लगेगा, उस दिन यह मानसिकता सचमुच बदलने लगेगी।

जिस दिन हम बेटे की मन्नत से आगे बढ़कर संतान के सुख की कामना करने लगेंगे, उस दिन हमारी पूजा का अर्थ भी अधिक व्यापक होगा और हमारी संस्कृति का मानवीय पक्ष भी अधिक उज्ज्वल दिखाई देगा।

–डॉ. अर्चना गोदारा,
सहायक आचार्य एवं लेखक

महानवमी चिंतन – वृति के परिष्कार का संदेश देती है दुर्गा सप्तशती

संदीप जोशी

सनातन परपरा में शाक्त उपासना का महापर्व नवरात्रि अपनी पूर्णाहुति की ओर अठासर है। दुर्गाष्टमी, महानवमी का पुण्य अवसर और इसके साथ ही असत्य पर सत्य की विजय का महान प्रतीक विजयादशमी पर्व है। बंगाल के भव्य पूजा पंडालों से लेकर गुजरात की गरबा रास की झंकारों तक, और देश के कोने-कोने में स्थापित शक्तिपीठों से लेकर घर-घर के अनुष्ठानों तक-समूचा भारतवर्ष माँ जगदम्बा की भक्ति में सराबोर है। नवरात्रि के इन पावन दिनों में अनगिनत साधकों ने व्रत-उपवास किए हैं और दुर्गा सप्तशती के मंत्रों का सस्वर पाठ किया है। दुर्गा सप्तशती केवल एक धार्मिक अनुष्ठान या स्तुति-संठाह मात्र नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन के सर्वांगीण विकास, नैतिक आचरण और सामाजिक संतुलन का एक अत्यंत व्यावहारिक एवं उच्च दार्शनिक ठांथ है। श्रीमद्भगवद्गीता में सात सौ श्लोक है और दुर्गा सप्तशती में भी सात सौ श्लोक हैं। जिस प्रकार भागवत गीता शौर्य पराक्रम उत्साह के साथ जीवन दर्शन का ठांथ है, उसी प्रकार दुर्गा सप्तशती भी शौर्य पराक्रम उत्साह के साथ-साथ जीवन का दर्शन भी सिखाती है। सात्विक सकारात्मक जीवन जीने की प्रेरणा देती है दुर्गा सप्तशती।

इस ग्रंथ के पाँचवें अध्याय में माँ भगवती की एक प्रसिद्ध और अत्यंत लोकप्रिय स्तुति आती है- नमस्तस्यै नमस्तस्यै। इसमें देवी की लक्ष्मी रूप में, शक्ति रूप में, मातृ रूप में इत्यादि अनेक रूप में वंदना की गई है। इसी स्तुति का एक श्लोक है–

या देवी सर्वभूतेषु वृत्ति रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥

अर्थात्, जो भगवती समस्त प्राणियों में वृत्ति के रूप में विराजमान हैं, उन आद्यशक्ति को बारंबार नमस्कार है। दुर्गा सप्तशती की यह एक पंक्ति हमें दुनियादारी के प्रपंच से ऊपर उठाकर जीवन के सबसे महत्वपूर्ण विषय हमारे आचरण और हमारी आजीविका पर चिंतन करने के लिए प्रेरित करती है। यदि एक श्लोक को साध लिया जाए जीवन में उतार लिया जाए तो भ्रष्टाचार एवं नैतिक स्खलन जैसी व्यापक बड़ी चुनौतियों और समस्याओं का समाधान हो सकता है।

वृत्ति के दो आयाम: स्वभाव और आजीविका का दर्शन-

शास्त्रों और भाषा-विज्ञान के दृष्टिकोण से देखें तो वृत्ति शब्द के दो मूल अर्थ अत्यंत प्रचलित हैं-पहला स्वभाव या मनोवृत्ति (व्यक्ति का आंतरिक चिंतन और आचरण, जिससे प्रवृत्ति शब्द बना है) और दूसरा आजीविका (जीवन-निर्वाह, व्यवसाय, नौकरी या धन-उपार्जन का साधन)। दुर्गा सप्तशती के दार्शनिक धरातल पर मनुष्य को जगदम्बा की ही चेतना का अंश माना गया है। सनातन परंपरा में माँ भगवती की आराधना त्रिगुणात्मक शक्ति के रूप में की जाती है- महाकाली: शक्ति, ऊर्जा, संकल्प और तामसिक वृत्तियों के शमन की प्रतीक। महालक्ष्मी: समृद्धि, ऐश्वर्य, भौतिक साधन और राजसिक वृत्तियों के नियमन की प्रतीक। महासरस्वती: ज्ञान, विवेक, कला और सात्विक वृत्तियों के संवर्धन की प्रतीक। हमारे शास्त्र इस बात का आ ान करते हैं कि मनुष्य का स्वभाव भी इन तीनों दैवीय गुणों का एक संतुलित स

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 | वर्षः 31 | संख्याः 83 | प्रभात | अजमेर, बुधवार 21 अक्टूबर, 2026 | आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 | पृष्ठ 8 | मूल्य 2.50 रु.

छात्र आंदोलन का असर सुरक्षा परिषद का सदस्य बनने की भारत की कोशिशों पर भी पड़ेगा

सरकार द्वारा आंदोलन से निपटने के तरीके से लोकतंत्र के संबंध में भारत के दावे कमज़ोर पड़ रहे हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय मीडिया संस्थानों, जैसे एसोसिएटेड प्रैस, गार्जियन, रॉयटर्स व अल जज़ीरा ने भारत के इस छात्र आंदोलन को व्यापक कवरेज दी है।
- इस कवरेज में पुलिस द्वारा पत्रकारों व छात्रों को पकड़ने, उन्हें पीटने तथा एसआईआर के मुद्दे को प्रमुखता दी गई है।
- भारत, यूएन में बड़ी भूमिका के लिए हमेशा यह दावा करता रहा है कि वह विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, लेकिन, छात्र आंदोलन से डील करने के तरीकों से सबसे बड़ी लोकतांत्रिक व्यवस्था होने का भारत का यह दावा कमज़ोर पड़ा है।

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व में हुए छात्र प्रदर्शनों से निपटने के भारत के तरीके ने अंतर्राष्ट्रीय मीडिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। ऐसे समय में, जब भारत वैश्विक स्तर पर बड़ी पहचान बनाने और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (युनाइटेड नेशन्स सिक्युरिटी काउन्सिल-यूएनएससी) में स्थायी सीट पाने की कोशिश कर रहा है, इस घटना ने नई दिल्ली की छवि के लिए एक चुनौती खड़ी कर दी है।

"द गार्डियन", "रॉयटर्स", "एसोसिएटेड प्रेस" (एपी) और "अल जज़ीरा" जैसे प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय मीडिया संस्थानों ने अपनी रिपोर्टों और टिप्पणियों में कुई मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित किया है। इनमें पुलिस द्वारा बड़ी संख्या में लोगों को हिरासत में लेना, पत्रकारों पर हमले, प्रदर्शनों पर पाबंदियां और मतदाता सूची में संशोधन से जुड़े विवाद शामिल हैं।

इस कवरेज ने नागरिक स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक जवाबदेही के मामले में भारत के घरेलू रिकॉर्ड को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा के केन्द्र में ला दिया है। भारत अक्सर वैश्विक शासन में बड़ी भूमिका के अपने दावे को मजबूत करने के लिए खुद को "दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र" बताता है। ऐसे में, ये घटनाएं भारत की अंतर्राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं और उसके घरेलू संस्थानों के कामकाज के बीच के संबंध पर सवाल खड़े करती हैं।

सबसे तीखी आलोचना "द गार्डियन" की ओर से आई है। अखबार ने 12 अक्टूबर के अपने संपादकीय में तर्क दिया कि सरकार की प्रतिक्रिया से लोकतांत्रिक संकट और गहरा हो सकता है। अखबार ने इस कार्रवाई को चुनाव की निष्पक्षता और लोकतांत्रिक संस्थानों की विश्वसनीयता से जुड़ी व्यापक चिंताओं से जोड़ते हुए कहा कि सरकार केवल प्रदर्शनों को दबाकर लोकतांत्रिक जवाबदेही से जुड़े सवालों का समाधान नहीं कर सकती।

वहीं, "रॉयटर्स" और एपी ने उन आरोपों को प्रमुखता से उठाया, जिनमें कहा गया है कि प्रदर्शनों को कवर कर रहे पत्रकारों को हिरासत में लिया गया और उन्हें पीटा गया। उनकी रिपोर्टों में, प्रेस द्वारा पुलिस के कामकाज की निगरानी की क्षमता तथा राजनीतिक रूप से संवेदनशील घटनाओं पर स्वतंत्र रूप से रिपोर्ट कर सकने की क्षमता पर चिंता जताई गई।

"अल जज़ीरा" ने राष्ट्रीय राजधानी में लगाई गई सुरक्षा पाबंदियों पर ध्यान केन्द्रित किया। इनमें परिवहन और इंटरनेट सेवाओं में रुकावटें, और प्रदर्शनकारियों के इकट्ठा होने से पहले ही उन्हें हिरासत में ले लिया जाना शामिल है। अपनी कवरेज में उन्होंने इन प्रदर्शनों को मतदाता सूची में संशोधन से जुड़े विवाद और युवा भारतीयों की शिकायतों के व्यापक संदर्भ में देखा।

हालांकि इन मीडिया संस्थानों के दृष्टिकोण अलग-अलग थे, लेकिन उनकी रिपोर्टिंग में एक बात समान थी: क्या प्रशासन द्वारा सार्वजनिक व्यवस्था के नाम पर दी गई दलीलों के अनुपात में उनकी प्रतिक्रिया उचित थी? और क्या

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिग्विजय सिंह ने "सत्य सनातन स्वाभिमान" यात्रा शुरु की

उज्जैन, 20 अक्टूबर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की 'सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा' मंगलवार को बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन से शुरू हो गई है। करीब 950 किमी की यह यात्रा लगभग 70 दिन में अयोध्या के श्रीराम मंदिर पहुंचेगी।

विजयादशमी के अवसर पर यात्रा के शुभारंभ से पहले, दिग्विजय सिंह ने

- उज्जैन से शुरु हुई यात्रा 950 किलोमीटर चल कर 70 दिन में अयोध्या पहुँचेगी।

अपनी पत्नी अमृता राय के साथ चिंतामन गणेश के दर्शन किए। इसके बाद वे बालाजी गार्डन में पार्थिव शिवलिंग बनाने पहुंचे और यहां शिवलिंग का पूजन किया। यहां पर बड़ी संख्या में संत समाज एकत्रित था। बालाजी गार्डन में उपस्थित जन समहू ने शिवलिंग का निर्माण किया, इस दौरान राम और शिव धुन के भजन के साथ लोगों ने पूजन-अर्चन किया।

बालाजी गार्डन में दिग्विजय सिंह के बेटे जयवर्धन सिंह भी आयोजन की देखरेख में लगे रहे। कन्या पूजन और भोजन प्रसादी समेत अन्य धार्मिक अनुष्ठान में भाग के बाद दिग्विजय ने करीब सवा एक बजे यात्रा की शुरुआत की। यात्रा में आगे शिव पार्वती की झांकी एलईडी वेन, डीजे, भजन मण्डली, बेंड दल, राष्ट्रीय ध्वज, धर्म ध्वज, ढोल, साधु-संत का करवा शामिल है।

यूसुफ पठान को तृणमूल से बगावत का तोहफा मिला

गुजरात सरकार ने उन्हें वडोदरा में उनके घर के पास का वह भूखंड मात्र आधी कीमत में दे दिया है, जिसे वे 2012 से मांग रहे थे

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

- ज्ञातव्य है कि 2012 से ही इस जमीन के लिए राज्य सरकार से उनका विवाद चल रहा था, लेकिन तृणमूल छोड़कर एनडीए को समर्थन देने के बाद उन्हें आधी कीमत में जमीन दे दी गई है।

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर। क्रिकेटर से नेता बने यूसुफ पठान के राजनीतिक निष्ठा बदलने के कुछ ही महीनों बाद गुजरात सरकार ने उन्हें एक तोहफा दिया है। वडोदरा में पठान परिवार के घर के पास स्थित जमीन का एक टुकड़ा अब आखिरकार उन्हें मिल जाएगा। यूसुफ पठान 2012 से इस जमीन को हासिल करना चाहते थे और इसके लिए लंबी कानूनी तथा प्रशासनिक लड़ाई भी चली थी।

इस साल जून में, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों के तुरंत बाद, यूसुफ पठान तृणमूल कांग्रेस के उन 20 सांसदों में शामिल थे, जिन्होंने ममता बनर्जी के खिलाफ बगावत की और कम चर्चित एनसीपीआई में शामिल होकर संसद में एनडीए का साथ दिया। पठान 2024 में तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार के रूप में बहरामपुर लोकसभा सीट पर विजयी हुए थे।

विवादित जमीन लगभग 1,000 वर्ग मीटर में फैली है और वडोदरा के तांडलजा इलाके में पठान परिवार के घर के पास स्थित है। उन्होंने, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर होने के कारण सुरक्षा संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए, 2012 में पहली बार इस जमीन पर कब्जा दिए जाने की मांग की थी। यूसुफ और इरफान पठान अपने माता-पिता और परिवार के साथ इसी घर में रहते हैं।

सरकारी सूत्रों के अनुसार, हाल ही में मंजूर की गई नई व्यवस्था के तहत, इस जमीन के मामले में एक तय समझौता किया गया है। आधिकारिक दिशा-निर्देशों के मुताबिक, जमीन की कीमत का आधा हिस्सा उन विशेष कल्याणकारी नीतियों के तहत समायोजित किया जाएगा, जो गुजरात से देश का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के लिए बनाई गई हैं।

इसका मतलब है कि पठान को राज्य सरकार की ओर से तोहफे के रूप में आधी जमीन मुफ्त मिलेगी और उन्हें जमीन की आधी कीमत, यानी 10 करोड़ रु. ही चुकाने होंगे।

अब राज्य के राजस्व विभाग और नगर निगम के विभागों को जमीन हस्तांतरण की औपचारिक प्रक्रिया पूरी करने की जिम्मेदारी दी गई है। स्थानीय निकाय के प्रतिनिधियों ने बताया कि आमतौर पर नगर निगम की संपत्तियों की खुली व्यावसायिक नीलामी होती है, लेकिन खेलों को बढ़ावा देने संबंधी दिशा-निर्देशों के तहत विशेष छूट देकर इस तरह का सीधा समझौता किया जा सकता है।

पठान ने 2012 में सुरक्षा संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए इस जमीन को 99 साल की लीज पर देने की मांग की थी। शुरुआत में स्थानीय नगर निगम ने आवास की सुरक्षा के उद्देश्य से जमीन हस्तांतरित करने के प्रस्ताव दिए थे। लेकिन बाद में राज्य के उच्च अधिकारियों ने यह कहते हुए इस कदम को मंजूरी नहीं दी कि सार्वजनिक संपत्तियों के लिए पारदर्शी सार्वजनिक बोली जरूरी है।

समय के साथ यह मामला और जटिल होता गया और इस दौरान प्रशासनिक तथा राजनीतिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यूपी के सभी जिलों में सरदार पटेल की जयंती मनाएगी भाजपा

कुर्मी जाति के असंतुष्ट मतदाताओं को रिझाने के लिए भाजपा ने यह निर्णय किया है

- श्रीनंद झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

- सरदार पटेल, जो गुजरात के लेऊवा पाटीदार समुदाय से आते हैं, यूपी के कुर्मी समुदाय में बेहद सम्मानीय माने जाते हैं।
- यूपी में कुर्मी जाति का प्रभाव 48 से 50 सीटों पर है, इसलिए भाजपा कोई कसर छोड़ना नहीं चाहती है।

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर। अगले साल होने वाले यूपी विधानसभा चुनावों को देखते हुए, भाजपा ने 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती मनाने का फैसला किया है। इसके अन्तर्गत, उत्तर प्रदेश के सभी 98 संगठनात्मक जिलों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के जरिए राष्ट्रीय एकता का संदेश देने के साथ-साथ, 2027 के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए कुर्मी समुदाय तक पहुंचने की कोशिश भी की जाएगी।

पार्टी के ओबीसी मोर्चा के नेतृत्व में होने वाले इन कार्यक्रमों में, राष्ट्रीय एकीकरण और आधुनिक भारत के निर्माण में सरदार पटेल की भूमिका को उजागर किया जाएगा। पार्टी नेताओं की योजना है कि वे भारत के लौह पुरुष को उचित सम्मान न देने के लिए कांग्रेस की आलोचना करें और इसकी तुलना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गुजरात में 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' बनाने के फैसले से करें। भाजपा के ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कांग्रेस पर आरोप लगाया है कि उसने राजनीतिक कारणों से पटेल के योगदान को कम करके दिखाया है, जबकि मोदी सरकार ने उनके वैश्विक कद को फिर से स्थापित किया है।

सरदार पटेल, जो गुजरात के लेउवा पाटीदार समुदाय से आते थे, उत्तर प्रदेश के कुर्मी समुदाय के बीच बहुत सम्मानित हैं। कुर्मी एक प्रभावशाली खेतिहर ओबीसी समुदाय है तथा राज्य की कुल आबादी में इनकी भागीदारी 5-7 प्रतिशत है। पूर्वांचल, अवध, मध्य उत्तर प्रदेश और बुंदेलखंड में इस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पटाखा मुक्त दिवाली के लिए पूरे देश में अभियान

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर। दिवाली पर वायु प्रदूषण कम करने और पर्यावरण अनुकूल उत्सव को बढ़ावा देने के लिए, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया ने देशव्यापी हरित दिवाली अभियान शुरू किया है। यह अभियान 20 अक्टूबर से 8 नवंबर

- डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया यह अभियान 20 अक्टूबर से 8 नवम्बर तक चलायेगी।

तक चलेगा। इसके तहत लोगों से पटाखे नहीं जलाने, दीये और ऊर्जा दक्ष रोशनी अपनाने तथा कचरे का उचित निपटान करने की अपील की गई है।

केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सहयोग से डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया के कार्यक्रम केन्द्र और संसाधन भागीदार ने यह पहल शुरू की है। अभियान के तहत, स्कूलों, कॉलेजों, शैक्षिणक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रियंका गांधी करेंगी, अखिलेश के साथ सीट शेयरिंग वार्ता

पार्टी के अतरंग सूत्रों ने बताया कि नवम्बर तक सीटों के बंटवारे को फाइनल कर लिया जाएगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- इस बार, कांग्रेस के 2024 के लोकसभा चुनाव और 2017 के विधानसभा चुनाव के डेटा के आधार पर सीटों की लिस्ट तैयार की गई है। इनमें से 100 सीटों को "ए" श्रेणी में रखा गया है। 40 से 50 को "बी" श्रेणी में और 25 से 55 को "सी" श्रेणी में।
- कांग्रेस अमेठी, सहारनपुर व रायबरेली की विधानसभा सीटों पर भी दावा कर रही है, जहाँ अभी सपा के विधायक हैं। इसके अलावा कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की सीटों पर भी दावा किया गया है।

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस, समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन में 125 सीटें हासिल करने की कोशिश कर रही है।

समाजवादी पार्टी के साथ बातचीत शुरू करने के उद्देश्य से, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने सोमवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नेताओं के साथ सीटों के बँटवारे को लेकर तीन घंटे लंबी बैठक की। बैठक में लगभग 175 सीटों पर चर्चा हुई।

कांग्रेस ने करीब 100 'श्रेणी ए' सीटों, 40 से 50 'श्रेणी बी' सीटों और 25 से 35 'श्रेणी सी' सीटों की सूची तैयार की है।

प्रियंका गांधी और उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नेताओं के बीच इस सप्ताह एक और बैठक होनी है। इसके बाद कांग्रेस समाजवादी पार्टी को लगभग 125 से 150 सीटों की सूची सौंप सकती है।

पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि इस कवायद का उद्देश्य नवंबर तक सीटों के बँटवारे को अंतिम रूप दे देना है।

पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के साथ सीटों के बँटवारे की बातचीत में प्रियंका गांधी की अहम भूमिका होगी। उन्होंने 2022 के विधानसभा चुनावों में भी कांग्रेस के असफल चुनाव अभियान का नेतृत्व किया था। उस समय कांग्रेस ने अकेले चुनाव लड़ा था और केवल दो सीटें जीत पाई थी।

इस बार, कांग्रेस 2024 के लोकसभा चुनावों और 2017 के विधानसभा चुनावों के आँकड़ों के आधार पर अपनी सीटों की सूची तैयार कर रही है। पार्टी का लक्ष्य हर लोकसभा क्षेत्र में कम से कम एक विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ना है।

2024 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन करके चुनाव लड़ा था। इन चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन में अप्रत्याशित सुधार हुआ और उसने कुल 17 सीटों पर चुनाव लड़ा था और उनमें से छह पर जीत हासिल की थी। 2024 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस 38 विधानसभा क्षेत्रों में आगे रही और 42 अन्य क्षेत्रों में दूसरे स्थान पर रही। इन सभी 80 सीटों को पार्टी की इच्छित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अलवर के प्रताप राजपूत छात्रावास में दशहरा उत्सव, 500 प्रतिभाओं का सम्मान

शस्त्र पूजन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया

अलवर। प्रताप राजपूत छात्रावास शिक्षा समिति की ओर से मंगलवार को प्रताप राजपूत छात्रावास में भव्य दशहरा उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 9:30 बजे पारंपरिक शस्त्र पूजन के साथ हुई। इस अवसर पर समाज के करीब 500 प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को शैक्षिणक एवं अन्य क्षेत्रों में उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह

- **आयोजन का उद्देश्य समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना था**

मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समिति के संयोजक भावेश ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, सामाजिक एकजुटता को मजबूत करना तथा क्षेत्र के विकास और सामाजिक हितों से जुड़े विषयों पर ा ि ा ा ा र - ा ि ा म ा श ा करना था। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने दशहरा उत्सव की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए समाज में शिक्षा, आपसी भाईचारे और सहयोग की भावना को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने सामाजिक सहभागिता बढ़ाने और जनहित से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता बताई। आयोजकों के अनुसार, प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान करने का उद्देश्य युवाओं को शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करना तथा समाज में सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना है। आयोजन के माध्यम से सामाजिक एकता और प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने का संदेश दिया गया।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री भंवर जितेन्द्र सिंह की मौजूदगी में प्रताप राजपूत छात्रावास में भव्य दशहरा उत्सव मनाया गया।

टाईगर श्रॉफ के हमलावरों को कड़ी सुरक्षा में मुंबई ले गई पुलिस

कोटा, (निसं)। बॉलीवुड अभिनेता टाईगर श्रॉफ फायरिंग केस में पकड़े गए आरोपियों को कड़ी सुरक्षा के बीच मंगलवार सुबह मुंबई पुलिस का काफिला लेकर रवाना हो गया। मुंबई में टाईगर श्रॉफ के कार पर हुई फायरिंग की घटना से जुड़े तीन आरोपियों को कोटा पुलिस ने सोमवार को पूणे-जयपुर ट्रेन से धर दबोचा था, इसके बाद कोटा पहुंची मुंबई पुलिस ने सभी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी कर तीनों को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया था। तीनों आरोपियों को कड़ी सुरक्षा के बीच कोटा में सोमवार रात्रि को रेलवे कॉलोनी थाने के हवालात में रखा गया, इस दौरान थाने के बाहर और परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत रखने के लिए क्विक रिस्पांस फोर्स का विशेष जाब्ता तैनात किया गया। आरोपियों का पीछा करते हुए मुम्बई पुलिस भी सोमवार को कोटा पहुंच गई थी, पुलिस टीम ने सोमवार को आरोपियों को न्यायालय में पेश किया और सभी जरूरी मेडिकल टेस्ट कराए गए, न्यायालय से ट्रांजिट रिमांड हासिल कर मुम्बई पुलिस मंगलवार सुबह आरोपियों को लेकर रवाना हो गई, कोटा पुलिस भी इन्हें शहर की सीमा तक एस्कॉर्ट किया। कोटा शहर पुलिस ने मामले में सूचना पर कार्यवाही करते हुए पूर्ण-जयपुर ट्रेन के जनरल कोच से दो आरोपी रेहान व ऋतिक सहित व एक नाबालिग को पकड़ा था।

सोते हुए मजदूर पर चढ़ा पानी से भरा टैंकर, मौत

बीकानेर । एक ऊन मिल में दर्दनाक हादसा हो गया। रात काम के बाद थकान के चलते एक मजदूर आराम करने के लिए खुले में पड़ी ऊन पर ही सो गया। सुबह करीब 8 बजे पानी से भरा एक टैंकर वहां से गुजरा और मजदूर के ऊपर से निकल गया। टैंकर की चपेट में आने से मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में उसका शरीर बुरी तरह कुचल गया और घटनास्थल पर खून फैल गया। हादसे के बाद मजदूर का शव पीबीएम अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है। यह हादसा कोटगेट थाना क्षेत्र स्थित

- **मिल के अंदर सूख रही ऊन पर आराम कर रहा था, सिर बुरी तरह कुचला**

रानीबाजार इंडस्ट्रियल एरिया की गली नंबर 7 में एक ऊन मिल का है। कोटगेट थानाधिकारी विक्रम तिवारी ने बताया कि मृतक की पहचान नंदू सिंह भाटी (40) पुत्र जयराम सिंह भाटी, निवासी रीको रोड नंबर 8, गंगाशहर, बीकानेर के रूप में हुई है। वह रानीबाजार की गली नंबर 7 स्थित सुराणा टेक्सटाइल फैक्ट्री में मजदूरी करता था। कोटगेट थानाधिकारी विक्रम तिवारी ने बताया कि मजदूर मिल परिसर में खुले में पड़ी ऊन पर आराम कर रहा था। रात में काम के बाद उसे वहीं नींद आ गई। इसी दौरान 10 हजार लीटर पानी से भरा टैंकर वहां पहुंचा। टैंकर चालक को पता नहीं था कि ऊन के ऊपर मजदूर सो रहा है। ऐसे में टैंकर उसके ऊपर से निकल गया। हादसे में टैंकर का पहिया मजदूर के सिर के ऊपर से गुजर गया, जिससे उसका सिर बुरी तरह कुचल गया ।

3.74 लाख रुपए के कॉपर चोरी के मामले का खुलासा, नौ पकड़े

जोधपुर । रेलवे सुरक्षा बल ने आधुनिक तकनीक और सटीक जांच के जरिए बासनी रेलवे स्टेशन यार्ड से चोरी हुए 3.74 लाख रुपए के कॉपर वायर मामले का पर्दाफास कर दिया है। साथ ही शत-प्रतिशत बरामदगी कर सफलता की मिसाल पेश की है। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त (आरपीएफ) नीतीश शर्मा ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि 16-17 अगस्त 2026 की रात बासनी रेलवे स्टेशन यार्ड में खड़े ओएचई टावर वैगन से 1,294 मीटर कैटेनरी कॉपर वायर चोरी हुआ था। आरपीएफ पोस्ट भगत की कोठी ने मामला दर्ज कर इस

- **शत-प्रतिशत बरामदगी कर सफलता की मिसाल पेश की**

मामले की जांच शुरू की। करीब 70 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज और फास्टैग रिकॉर्ड की मदद से जांच टीम प्रयागराज तक पहुंची। मामले में आठ आरोपियों और चोरी का माल खरीदने वाले कबाड़ी समेत नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वारदात में प्रयुक्त पिकअप भी जब्त की गई है। उन्होंने बताया कि सहायक सुरक्षा आयुक्त मुकेश कुमार व टीम को निर्देश के बाद पर्यवेक्षण में टीम ने घटनास्थल और आसपास के करीब 70 कैमरों के फुटेज खंगाले। संदिग्ध पिकअप की पहचान के बाद टोल प्लाजा के फुटेज और फास्टैग रिकॉर्ड से उसकी आवाजाही का पता लगाते लगाते टीम 19 अगस्त को प्रयागराज के करछना क्षेत्र स्थित देवरी खुर्द गांव पहुंची और यूपी 70 पीटी 6664 नंबर की पिकअप जब्त की। इसके बाद 23 अगस्त को नरेंद्र पटेल उर्फ कार्तिक,मनोज,शिवम पटेल,शुभम पटेल और नीरज कुमार पटेल को गिरफ्तार किया गया।

भीलवाड़ा में मतदान दलों को चुनाव सामग्री आज बांटी जायेगी

भीलवाड़ा। पंचायतराज आम चुनाव 2026 के तहत जिले में मतदान दलों के प्रशिक्षण एवं निर्वाचन सामग्री वितरण व मतदान दलों की रवानगी का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है । जिला निर्वाचन अधिकारी जसमीत सिंह संधू के निर्देशानुसार प्रथम चरण का प्रशिक्षण 21 अक्टूबर 2026 को प्रात: 8.00 बजे से राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज तिलक नगर में आयोजित किया जाएगा जिसमें पंचायत समितियों के लिए नियुक्त सेक्टर मजिस्ट्रेट भी मतदान दलों के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। प्रशिक्षण के पश्चात मतदान दलों को निर्वाचन सामग्री वितरित की जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने प्रशिक्षण में अनुपस्थित कार्मिकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश प्रदान किए हैं। प्रथम सत्र: प्रात: 8:00 बजे से 10.30 बजे तक आयोजित होगा।इस सत्र में बिजौलिया, जहाजपुर, खजूरी, कोटडी एवं मांडलगढ़ के मतदान केंद्रों के लिए नियुक्त मतदान दलों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अंतर्गत बिजौलिया में मतदान केंद्र संख्या 1 से 78 तक,

- **प्रथम चरण का प्रशिक्षण राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में आज**
- **सेक्टर मजिस्ट्रेट भी मतदान दलों के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे**

जहाजपुर में 1 से 107 तक, खजूरी में 1 से 87 तक, कोटड़ी में 1 से 164 तक तथा मांडलगढ़ में 1 से 120 तक के मतदान केंद्र शामिल हैं। इस सत्र में कुल 56 आरक्षित मतदान दलों सहित कुल 612 मतदान दल प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। इस सत्र के लिए आरक्षित सहित क्रमांक 1 से 62 तक के समस्त सेक्टर मजिस्ट्रेट उपस्थित रहेंगे। मतदान सामग्री प्राप्ति एवं वाहनों के प्रस्थान का समय प्रात: 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक निर्धारित किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार द्वितीय सत्र: प्रात: 11:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक आयोजित होगा। इस सत्र में बनेड़ा, करेड़ा, मांडल एवं सुवाणा क्षेत्र के मतदान दलों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अंतर्गत बनेड़ा में मतदान केंद्र संख्या 1 से 108 तक, करेड़ा में 1 से 102 तक, मांडल में 1 से 127 तक तथा सुवाणा में 1 से 217 तक के मतदान केंद्र शामिल हैं। इस सत्र में कुल 55 आरक्षित मतदान दलों सहित कुल 609 मतदान दल प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। इस सत्र के लिए आरक्षित सहित क्रमांक 1 से 61 तक के समस्त सेक्टर मजिस्ट्रेट उपस्थित रहेंगे। मतदान सामग्री प्राप्ति एवं वाहनों के प्रस्थान का समय दोपहर 1 बजे से अपराह्न 2:30 बजे तक निर्धारित किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा निर्वाचन कार्य को सुव्यवस्थित एवं समयबद्ध ढंग से संपन्न कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रशिक्षण एवं मतदान सामग्री वितरण की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

रामलीला में रावण वध का रोमांचक मंचन

फुलेरा। कस्बे के रेलवे रामलीला मैदान में चल रही रामलीला के 14वें दिन राम-रावण के बीच घोर संग्राम और रावण वध का रोमांचक मंचन किया गया। युद्ध में रावण के नहीं मरने पर विभीषण ने भगवान राम को उसकी नाभि में स्थित अमृत कुंड का रहस्य बताया। इसके बाद राम ने अग्निबाण से अमृत कुंड को सुखाकर रावण का वध किया। रावण वध होते ही देवी-देवताओं ने आकाश मार्ग से पुष्पवर्षा कर भगवान राम की विजय का उत्सव मनाया।

इस दौरान काली भैरव और शिव परिवार की झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। रावण वध के बाद 60 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया। भव्य सजावट और आतिशबाजी के बीच आयोजित मेले में लोगों ने जमकर खरीदारी की **आज होगा रामलीला महोत्सव का समापन :** बुधवार को भरत मिलाप, भगवान राम के राजतिलक और पारितोषिक वितरण के साथ 15 दिवसीय रामलीला महोत्सव का समापन होगा।

भीलवाड़ा सिंधी समाज ने महानवमी पर कन्या पूजन किया

भीलवाड़ा। सिंधी समाज सेवा संस्थान (उत्तर क्षेत्र) में मंगलवार को महानवमी के उपलक्ष में कन्या पूजन एवं कन्या भोज कार्यक्रम आयोजित किया गया। आरसी व्यास कॉलोनी स्थित सिंधु भवन पंच परमेश्वर झूलेलाल मंदिर में प्रात: महामाया मातारानी की विशेष पूजा अर्चना, मंत्रोच्चार के साथ हवन किया गया जिसमें सम्मिलित सभी यजमानों ने देश व समाज की सुख समृद्धि के

- **सम्मिलित सभी यजमानों ने देश व समाज की सुख समृद्धि के लिये आहूतियां दीं**

लिये आहूतियां दीं। मंदिर में महाआरती के पश्चात 51 कन्याओं को साक्षात देवी स्वरूपा मान कर उनकी चरण वन्दना कर पूजन किया गया। अंत में सभी कन्याओं को भोजन करवा कर उन्हें फल, चॉकलेट, फ्रूटी, स्टेशनरी एवं अन्य कई उपहार भेंट किये गये। बाद में सभी श्रद्धालुओं के लिये भण्डारा प्रसादी आयोजित की गई। मीडिया प्रभारी पंकज हेमराजानी ने बताया कि कार्यक्रम में संस्था अध्यक्ष लालचंद नथरानी, संरक्षक भगवानदास नथरानी, मुख्य व्यवस्था प्रमुख तुलसीदास नथरानी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजकुमार पहलवानी, उपाध्यक्ष राजकुमार बदलानी, वरिष्ठ सलाहकार वासुदेव मंघनानी, निर्मल आहूजा, दीनबंधु खत्री, ओमप्रकाश जेठानी, कोषाध्यक्ष एमडी राम, सह संगठन मंत्री सूरज नथरानी, कमलेश जेठानी, सचिव सुमित तोलानी, युवा प्रकोष्ठ प्रभारी दिपेश दत्ता, जीतू जेठानी, सदस्य घनश्याम श्यामनानी, दिनेश बत्रा, महेश नथरानी, हीरा नथरानी, सतीश हेमराजानी, रमेश अगनानी, हीरानंद प्रीतमानी सहित अनेकों पदाधिकारी उपस्थित थे।

भीलवाड़ा सिंधी समाज सेवा संस्थान (उत्तर क्षेत्र) में महानवमी के उपलक्ष में कन्या भोज कार्यक्रम आयोजित किया गया।

युवक की हत्या के मामले में दो सगे भाई गिरफ्तार

जोधपुर । शहर की माता का थान पुलिस ने हत्या के आरोप में दो सगे भाईयों को गिरफ्तार किया है। हत्या की आरंभिक वजह पैसों के लेन देन की सामने आई है। फिलहाल पकड़े गए दोनों भाईयों से पुलिस पूछताछ में जुटी है। घटना में घायल की अस्पताल में मौत के बाद परिजन ने रविवार को प्रदर्शन भी किया था। पुलिस ने नामजद दोनों आरोपियों को अब गिरफ्तार कर लिया। दोनों को आज कोर्ट में पेश कर अभिरक्षा में लिया। माता का थान थानाधिकारी अनिल यादव के अनुसार प्रकरण में मूलत : सुरपुरा खुर्द भोपालगढ़ हाल शिवजी नगर, 80 फीट रोड, पुरानी प्याउ के पास रहने वाले हेमंत (27) पुत्र रतनलाल दाधीच, मोहित दाधीच (21) पुत्र रतनलाल को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने 15 अक्टूबर को लेनदेन को लेकर विवाद में आरोपियों ने संजय सोनी को रात 11.30 बजे के करीब बहाने बुलाया था। इसके बाद उससे बेरहमी से मारपीट की। जिसके चलते वो गंभीर रूप से घायल हो गया था। संजय सोनी की एमजीएच में उपचार के बीच मौत हो गई थी। मृतक की मां सावित्री पत्नी मनोज सोनी की ओर से थाने में मामला दर्ज करवाया गया था। जिसमें हेमंत, उसके भाई व अन्य के खिलाफ उनके बेटे ओर उसके दोस्त को रास्ते में रोककर मारपीट करने की।

घाटला में ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

अलवर। अलवर के घाटला क्षेत्र में मंगलवार सुबह ट्रेन की चपेट में आने से 35 वर्षीय महिला की मौत हो गई। सूचना मिलने पर जीआरपी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अलवर जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जीआरपी थाना प्रभारी अंजू ने बताया कि मंगलवार सुबह घाटला क्षेत्र में एक महिला के ट्रेन की चपेट में आने की सूचना मिली थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जानकारी जुटाई। मृतका की पहचान बस्कर बानो (35) निवासी हरसाना के रूप में हुई है। उसकी ससुराल लक्ष्मणगढ़ में बताई गई है। पुलिस के अनुसार, महिला पिछले करीब एक साल से मानसिक रूप से बीमार थी और उसका इलाज चल रहा था। वह अपनी बहन के घर घाटला आई हुई थी। इसी दौरान वह अज्ञात ट्रेन की चपेट में आ गई, जिससे उसकी मौत हो गई। फिलहाल जीआरपी पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

चिड़ावा के कबूतरखाना बस स्टैंड पर खूनी संघर्ष

दो पक्षों में जमकर चले लात-घूंसे, धारदार हथियार भी चले

चिड़ावा। शहर के सबसे व्यस्ततम क्षेत्रों में शुमार कबूतरखाना बस स्टैंड पर मंगलवार सुबह दो पक्षों के बीच हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। बीच बाजार दोनों पक्षों के लोगों में जमकर लात-घूंसे चले और धारदार हथियारों से हमला किए जाने की बात सामने आई है। अचानक हुए घटनाक्रम से बाजार में अफरा-तफरी मच गई। मारपीट में चार लोग घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद दोनों पक्षों को अलग किया। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस को हल्का बल प्रयोग भी करना पड़ा। एहतियात के तौर पर घटनास्थल के आसपास दिनभर पुलिस जाब्ता तैनात रहा। फोन पर

- **बीच बाजार मारपीट से मची अफरा-तफरी, 4 घायल अस्पताल में भर्ती**

कहासुनी के बाद दुकान पर पहुंचे अख्तर, मारपीट का आरोप मामले में वार्ड 26 निवासी अख्तर पुत्र अमीन अली ने थाने में शिकायत दी है। शिकायत के अनुसार, 19 अक्टूबर को उनके पुत्र आर्यन और वार्ड 23 के मावंडिया की ढ ाणी निवासी समीर पुत्र पीरू के बीच फोन पर गाली-गलौच हुई थी। इसी बात को लेकर मंगलवार सुबह अख्तर कबूतरखाना बस स्टैंड स्थित समीर की दुकान पर उलाहना देने पहुंचे । अख्तर का आरोप है कि वहां समीर और उसके पिता पीरू ने उनके साथ हाथापाई और मारपीट की। इस दौरान दुकान में रखे लोहे के बांट से वार किया गया, जिससे उनके सिर में चोट आई। इसके बाद अख्तर और उस्मान ने दोनों आरोपियों को पकड़ने का प्रयास किया तो दुकान में पहले से मौजूद सात-आठ लोगों ने उन पर लोहे के सरियों से हमला कर दिया। मारपीट में अख्तर और उस्मान घायल हो गए। शोर-शराबा सुनकर बीच-बचाव करने पहुंचे अकरम और इकराम भी चोटिल हो गए। मारपीट में अख्तर पुत्र अमीन अली, अकरम पुत्र जफ्फार अली, इकराम पुत्र निशार अली और उस्मान खान पुत्र अमीन खान घायल हुए।

पैंथर की दस्तक से दहशत

मसूदा। ग्राम पंचायत किराप में पैंथर की मौजूदगी से ग्रामीणों में भय का माहौल है। पैंथर की गतिविधि की जानकारी मिलने पर ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी। वन विभाग के अधिकारी हजारीलाल ने मामले की जानकारी ली और ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील की। ग्रामीणों के अनुसार, क्षेत्र में पिछले कुछ समय से पैंथर की गतिविधियां देखी जा रही हैं। सीसीटीवी कैमरे में भी इसकी मौजूदगी दिखाई दी है। ग्रामीणों का दावा है कि पैंथर पहले भी कई बार क्षेत्र में नजर आ चुका है और मवेशियों का शिकार कर चुका है। इससे पशुपालकों में चिंता बनी हुई है। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में जल्द पिंजरा लगाकर पैंथर को सुरक्षित पकड़ने की मांग की है, ताकि किसी जनहानि या पशु हानि की आशंका को रोका जा सके।

चाकू से जानलेवा हमला करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। कैथून थाना इलाके में पुरानी रंजिश के चलते युवक पर चाकू से जानलेवा हमला करने के दर्ज मामले में कैथून पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने पकड़े गये आरोपियों के पास से वारदता में प्रयुक्त चाकू एवं मोटरसाईकिल जप्त की है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि कोटा ग्रामीण में अपराधों की रोकथाम व वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिये विशेष अभियान ऑपरेशन क्रिमीनल डस्टिंग चलाया जा रहा है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि 15 अक्टूबर को फरियादी आरिफ हुसैन ने थाना कैथून में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि उसके भतीजे वसीक उर्फ वसीम (23) पर अयान मेव और बिट्टू मेव ने पुरानी रंजिश के चलते चाकू से जानलेवा हमला किया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया, मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उप अधीक्षक अरूण कुमार के सुपरविजन में कैथून थानाधिकारी मनोज सिंह सिकरवार के नेतृत्व मे टीम का गठन किया गया। हमले के दो आरोपी कैथून के भीमपुरा निवासी अयान मेव (20) एवं जालखेड़ा निवासी रेहान उर्फ बिट्टू मेव (21) को गिरफ्तार किया, पुलिस टीम ने पकड़े गये आरोपियों से घटना में प्रयुक्त मोटरसाईकिल व दो अवैध चाकू बरामद किये है ।

अपनी जड़ों से कट जाता है इतिहास भूलने वाला समाज: शेखावत

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि जो समाज अपने इतिहास को भूल जाता है, वह अपनी जड़ों से कट जाता है, इसलिए जरूरी है कि हम इतिहास से लगातार जुड़े रहें। मंगलवार को बीजेएस, राजपूत सभा भवन में वीर शिरोमणि महाराव शेखाजी की जयंती एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में शेखावत ने कहा कि भारत के बौद्धिक ज्ञान, विज्ञान, संपदा और समृद्धि से आकर्षित होकर अनेक आक्रांता यहां आए। भारत की सभ्यता और उसकी संपन्नता ने विदेशी शक्तियों को आकर्षित किया। सिकंदर के समय से लेकर हूणों, कुषाणों और बाद के

- **महाराव शेखाजी जयंती एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित**
- **प्रतिभा सम्मान समारोह में शेखावत ने कहा कि भारत के बौद्धिक ज्ञान, विज्ञान, संपदा और समृद्धि से आकर्षित होकर अनेक आक्रांता यहां आए**

आक्रांताओं तक भारत ने लंबे समय तक बाहरी आक्रमणों का सामना किया। इसके बावजूद भारतीय सभ्यता की निरंतरता बनी रही। इसका श्रेय उन पूर्वजों के साहस, संघर्ष, त्याग और अपनी संस्कृति के प्रति अटूट निष्ठा को जाता है, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी देश की परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखा। केंद्रीय मंत्री ने समाज से अपने इतिहास और गौरवशाली परंपराओं को संरक्षित करने का आ ान करते हुए कहा कि पूर्वजों के आदर्शों को केवल स्मरण करने तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए, अपितु उन्हें नई पीढ़ी के संस्कारों और जीवन मूल्यों का हिस्सा बनाना चाहिए। इतिहास से जुड़ाव ही समाज को अपनी पहचान, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूक बनाए रखता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इतिहास पुरुषों के शौर्य, संघर्ष और आदर्शों को केवल जयंती समारोहों तक सीमित नहीं रखना चाहिए। उनके जीवन मूल्यों को आत्मसात कर नई पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी है। समाज का विकास केवल राजनीतिक सामर्थ्य से नहीं, अपितु शिक्षा, संस्कार, सामाजिक एकता और चरित्र निर्माण से होता है। केंद्रीय मंत्री ने समाज की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि गौरवशाली इतिहास से प्रेरणा लेकर आने वाली पीढ़ियों के लिए सशक्त, जागरूक और संस्कारवान समाज का निर्माण करना चाहिए। इसके लिए सामाजिक एकता मजबूत करने, युवाओं को प्रोत्साहित करने और अपनी परंपराओं के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने की आवश्यकता है। कृषि विश्विद्यालय के कुलगुरु डॉ वीरेंद्र सिंह जैतावत, प्रोफेसर कल्याण सिंह शेखावत, मारवाड़ राजपूत सभा अध्यक्ष रविन्द्र सिंह राणावत, पार्षद स्वरूप सिंह सांगलिया सहित अनेक गणमान्य लोग एवं समाज के बंधु मौजूद रहे।

रियासतकालीन परंपराओं के साथ हुआ रावण दहन

कोटा रियासत के पूर्व महाराव इज्यराज सिंह ने मैदान में विधि-विधान के साथ ज्वारा पूजन किया

कोटा (नि.स.) कोटा की ऐतिहासिक और रियासतकालीन परंपराओं का निर्वहन करते हुए रावण दहन उत्साह और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। मंगलवार को दशहरा मैदान स्थित विजयश्री रंगमंच के सामने बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक रावण धू-धू कर जल उठा। जिसमें शामिल होने के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा। इस गरिमामयी आयोजन ने एक बार फिर कोटा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत कर दिया। इस दौरान कोटा रियासत के पूर्व महाराव इज्यराज सिंह ने मैदान में विधि-विधान के साथ ज्वारा पूजन और श्री सीता जी के पाने का विशेष पूजन संपन्न किया। इन धार्मिक अनुष्ठानों के पूरा होने के बाद, परंपरा के अनुसार पूर्व महाराव इज्यराज सिंह ने नाभि कलश पर सटीक तीर चलाकर अमृत कलश को भेदा। उनके अमृत कलश फोड़ते ही अहंकारी रावण के कुनबे के वध और बुराई के अंत का सिलसिला शुरू हो गया। पंचांग मुहूर्त एवं तय मुहूर्त के अनुसार रात 8.24 बजे से रावण के कुनबे का दहन शुरू हुआ। पुतलों में आग लगते ही दहन स्थल पर मौजूद हर शख्स के हाथ में मोबाइल कैमरे जगमगा उठे। सबसे पहले कुंभकर्ण और फिर मेघनाद के पुतले को आग लगाई गई, और अंत में रात 8.34 बजे 105 फीट ऊंचे विशालकाय रावण के पुतले का दहन आरंभ हुआ। इस बार 105 फीट ऊंचे रावण तथा 72-72 फीट के कुंभकर्ण व मेघनाद के पुतलों का निर्माण किया गया था।रावण के पुतले में पूरी तरह से ग्रीन आतिशबाजी का प्रयोग किया गया था। जिससे यह दहन पॉल्यूशन फ्री और इको-फ्रेंडली रहा। रावण की छतरी, मुकुट, नक्काशी, ढाल और कंधों में हुए आतिशी धमाकों ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। इससे पहले वानर सेना ने हनुमान चालीसा का पाठ किया। मेला परिसर में श्रीराम रंगमंच से रंगीन और भव्य आतिशबाजी ने दर्शकों के रोमांच को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया। आसमान में रंगीन अशर्फियों की छटा और गूंजने वाले पटाखों की आवाज से पूरा दशहरा मैदान जगमगा उठा। मेला मैदान में दिनभर लोगों का तांता लगा रहा ।

रितु बराला मामले में कांग्रेस का धरना जारी, प्रदर्शन के दौरान धक्का-मुक्की

धरने में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, प्रताप सिंह खाचरियावास और अन्य नेता रातभर कमिश्नरेट परिसर में बैठे रहे

जयपुर। दिल्ली में एनएसयूआई की राष्ट्रीय सचिव रितु बराला के साथ कथित मारपीट और अभद्रता के मामले में जीरो एफआईआर दर्ज कराने की मांग को लेकर राजस्थान में कांग्रेस और पुलिस के बीच गतिरोध मंगलवार को भी जारी रहा।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं का जयपुर पुलिस कमिश्नरेट परिसर में धरना दूसरे दिन भी जारी रहा। वहीं,

- **सूत्रों का कहना है कि लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी डोटासरा को फोन कर जयपुर में एफआईआर दर्ज कराने को कहा था, इसके बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमिश्नरेट पहुंचे**

कमिश्नरेट के बाहर प्रदर्शन के दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की हुई। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर प्रदर्शनकारियों को पीछे हटाया।

सोमवार शाम से शुरू हुए धरने में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास और अन्य नेता रातभर कमिश्नरेट परिसर में बैठे रहे। मंगलवार सुबह भी नेताओं ने धरनास्थल पर ही चाय-नाश्ता किया। बाहर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की। इस दौरान कुछ कार्यकर्ता बैरिकेड्स और दीवारों पर चढ़ गए। पुलिस ने उन्हें हटाने का प्रयास किया तो धक्का-मुक्की और हल्की झड़प हुई। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता और महिला कार्यकर्ता फिर धरने पर बैठ गए।

कमिश्नरेट के बाहर प्रदर्शन के दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की हुई। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर प्रदर्शनकारियों को पीछे हटाया।

प्रशासन ने कमिश्नरेट के दोनों मुख्य द्वारों पर बैरिकेडिंग कर परिसर में आमजन का प्रवेश बंद कर दिया। प्रदर्शन के कारण गवर्नमेंट हॉस्टल चौराहे और एमआई रोड की ओर जाने वाले मार्ग पर यातायात प्रभावित हुआ।

वहीं दूसरी ओर रितु बराला सोमवार को कांग्रेस की कानूनी टीम और नेताओं के साथ मोती डूंगरी थाने पहुंची थीं। वहां संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए लिखित शिकायत दी गई। कांग्रेस विधायक रफीक खान, अमीन कागजी और अन्य नेताओं ने भी शिकायत दर्ज करने की मांग की। इसके बाद उन्हें पुलिस कमिश्नरेट जाने के लिए कहा गया। शाम करीब 6:15 बजे डोटासरा, खाचरियावास, विधायक रफीक खान और जयपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा सहित प्रतिनिधिमंडल कमिश्नरेट पहुंचा। वहां पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल मौजूद नहीं थे। डोटासरा ने फोन पर उनसे बात कर मामले को व्यक्तिगत मुद्दा नहीं बनाने और जीरो एफआईआर दर्ज करने की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि शिकायत दर्ज होने तक वे कमिश्नरेट से नहीं हटेंगे।

सूत्रों का कहना है कि लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी डोटासरा को फोन कर जयपुर में एफआईआर दर्ज कराने को कहा था, इसके बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमिश्नरेट पहुंचे।

जयपुर पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज करने से इनकार करते हुए कहा कि 13 अक्टूबर की घटना के संबंध में रितु बराला ने उसी दिन दिल्ली के कनॉट प्लेस थाने में शिकायत दी थी। पुलिस के अनुसार इस शिकायत पर एफआईआर संख्या 291/2026 दर्ज है और दिल्ली पुलिस मामले की जांच कर रही है। ऐसे में समान तथ्यों के आधार पर जयपुर में अलग से एफआईआर दर्ज करना विधिसम्मत नहीं माना गया है।

पुलिस ने रितु के इस कथन को भी सही नहीं माना कि इलाज में व्यस्त रहने के कारण वह दिल्ली में शिकायत दर्ज नहीं करा सकीं। पुलिस के अनुसार, घटना वाले दिन ही दिल्ली पुलिस को शिकायत दे दी गई थी। आगे की कार्रवाई दिल्ली पुलिस की जांच के आधार पर होगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने आरोप लगाया कि पुलिस अधिकारी कानून की पालना नहीं कर रहे हैं और राजस्थान की बेटी को न्याय दिलाने की मांग पर कार्रवाई से बच रहे हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी एफआईआर दर्ज करने की बात तो करते हैं, लेकिन न रिपोर्ट दर्ज कर रहे हैं और न ही स्थिति स्पष्ट कर रहे हैं। डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस नेता भूखे-प्यासे धरने पर बैठे हैं और रितु को न्याय दिलाने के बाद ही उठेंगे। उन्होंने प्राथमिकी दर्ज होने तक आंदोलन जारी रखने की बात दोहराई।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सवाल उठाया कि रितु बराला की शिकायत पर कार्रवाई की मांग के बावजूद एफआईआर दर्ज करने में परेशानी क्यों हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली में शिकायत देने के बावजूद मामले में कार्रवाई नहीं की गई।

झगड़े के बाद महिला की हत्या की आशंका: लिव-इन पार्टनर फरार

- **शादीशुदा होने के बावजूद महिला के साथ रह रहा था युवक**
- **दोनों मिलकर चलाते थे टिफिन सेंटर**
- **एफएसएल टीम ने जुटाए साक्ष्य**

जयपुर। पत्रकार कॉलोनी थाना क्षेत्र में लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही 35 वर्षीय महिला का शव मंगलवार एक फ्लैट में मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस को महिला के लिव-इन पार्टनर युवराज पर हत्या करने का शक है। घटना के बाद से ही आरोपी फरार है। पुलिस ने फॉरेंसिक साइंस लैबोरेट्री (एफएसएल) टीम की मदद से घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं और आरोपी की तलाश में टीमें लगाई हैं। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि महिला पर किसी भारी वस्तु से वार कर उसकी हत्या की गई।

थानाधिकारी कविता यादव ने बताया कि मृतका पिछले काफी समय से युवराज के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी। दोनों किराए के फ्लैट में रहते थे और मिलकर टिफिन सेंटर चलाते थे। युवराज शादीशुदा था, इसके बावजूद वह अपनी पत्नी से अलग रहकर महिला के साथ रह रहा था।

पुलिस को मिली जानकारी के अनुसार किसी बात को लेकर दोनों के बीच झगड़ा हो गया था। पुलिस को आशंका है कि इसी दौरान युवक ने किसी भारी वस्तु से महिला पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद आरोपी महिला का शव फ्लैट के कमरे में छोड़कर फरार हो गया। हालांकि हत्या के वास्तविक कारणों और घटनाक्रम की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। इसी दौरान पड़ोसी फ्लैट पर पहुंचे तो कमरे में महिला का शव पड़ा मिला। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी भिजवाया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस को युवराज पर महिला की हत्या कर फरार होने का शक है।

माँ दुर्गा के नौवें स्वरूप की पूजा-अर्चना की

जयपुर। सार्वजनिक पूजा उत्सव समिति, मुरलीपुरा, जयपुर में आज महा-नवमी की पूजा कुमारी पूजन के साथ विधि-विधान से सम्पन्न हुई। आज के पावन अवसर पर माँ दुर्गा के नौवें स्वरूप की पूजा-अर्चना की गई। परंपरा अनुसार छोटी कन्याओं का कुमारी के रूप में पूजन कर उन्हें भोग प्रसाद वितरित किया गया। सुबह से ही पंडाल में भक्तों की भारी भीड़ माँ के दर्शन के लिए उमड़ी रही। समिति के सचिव समीर दण्डापाट ने बताया कि हमारा थीम पंडाल ''रोली-मोली'' इस वर्ष जयपुर में विशेष आकर्षण का केंद्र रहा और हजारों श्रद्धालुओं ने इसके दर्शन किए। उन्होंने बताया कि कल विजयादशमी के दिन सिंदूर खेला के साथ 5 दिवसीय दुर्गा पूजा का विधिवत समापन किया जाएगा। दण्डापाट ने पूजा को सफल बनाने के लिए सभी सदस्यों, प्रशासन और जयपुर वासियों का आभार व्यक्त किया।

विजयादशमी मनाई

जयपुर। छोटीकाशी के देवी मंदिरों में मंगलवार को महानवमी और विजयादशमी का पूजन हुआ। आमेर शिला माता मंदिर में मंगलवार को विजयादशमी मनाई गई। पुजारी बनवारी लाल शर्मा ने मंदिर में रखे शस्त्रों का पूजन किया। 21 अक्टूबर को सुबह 10.30 बजे नवरात्र उत्थापना होगा। दुर्गापुरा के दुर्गामाता मंदिर, घाटगेट स्थित काली माता मंदिर, झालाना डूंगरी स्थित कालक्या माता मंदिर, राजापार्क स्थित वैष्णो देवी मंदिर, पुरानी बस्ती स्थित चंद्र घंटेश्वरी मंदिर में नवमी पूजन के बाद दशमी तिथि पूजन हुआ।

ठिकाना मंदिर गोविन्द देव जी, के कनक घाटी आमेर रोड स्थित अधीनस्थ मंदिर देवी मनसा माता में नवरात्र महोत्सव के तहत मंगलवार को मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में श्रवण नक्षत्र में महानवमी पूजन हुआ। कन्या पूजन-बटुक पूजन कर उपहार भेंट किए गए। प्रभु श्रीराम और हनुमान जी का भी पूजन किया गया। इसके बाद हवन किया गया। 21 अक्टूबर को धनिष्ठा नक्षत्र में प्रात: 10:47 बजे तक अपराजिता पूजन होगा।

अमेरिकी नागरिकों से करोड़ों की ऑनलाइन ठगी करने वाले साइबर गिरोह का पर्दाफाश

- **भांकरोटा में फर्जी तकनीकी सहायता कॉल सेंटर पर पुलिस की दबिश, 8 युवक और 2 युवतियां डिटेन**
- **19 मोबाइल, 12 लैपटॉप और अन्य उपकरण बरामद, एक्स-लाइट सॉफ्टवेयर, टीएफएन नंबर और टेलीग्राम के जरिए चल रहा था ठगी का नेटवर्क**

जयपुर। अमेरिकी नागरिकों को तकनीकी सहायता देने के नाम पर ऑनलाइन ठगी करने वाले साइबर गिरोह का जयपुर पुलिस ने पर्दाफाश किया है। भांकरोटा थाना क्षेत्र में मंगलवार को फर्जी तकनीकी सहायता कॉल सेंटर पर दबिश देकर पुलिस ने 8 युवकों और 2 युवतियों सहित 10 लोगों को डिटेन किया। मौके से 19 मोबाइल फोन, 12 लैपटॉप और बड़ी मात्रा में लैपटॉप से जुड़ी अन्य सामग्री बरामद की गई है। प्रारंभिक पूछताछ में गिरोह के जरिए अमेरिकी नागरिकों से करोड़ों रुपए की ठगी किए जाने की बात सामने आई है।

जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल और स्पेशल पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश के निर्देशन में साइबर अपराधों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस अब गिरोह के संचालकों, नेटवर्क और ठगी की रकम के लेन-देन से जुड़े पहलुओं की जांच कर रही है। स्पेशल पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी आईफोन में तकनीकी समस्या दूर करने के नाम पर अमेरिकी नागरिकों से संपर्क करते थे। एक्स-लाइट सॉफ्टवेयर और टीएफएन नंबरों के माध्यम से ग्राहकों से बातचीत की जाती थी। तकनीकी सहायता देने का भरोसा दिलाकर उन्हें बातचीत में उलझाया जाता और सहायता के नाम पर शुल्क वसूला जाता था।

पुलिस के अनुसार इस प्रक्रिया के दौरान ग्राहकों को विश्वास में लेकर उनके बैंक खातों से जुड़ी गोपनीय जानकारी हासिल करने का प्रयास किया जाता था। इसके बाद इस जानकारी का दुरुपयोग कर खातों से रकम निकालने की आशंका है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक गिरोह में शामिल एक युवती कथित तौर पर बैंक अधिकारी बनकर ग्राहकों से बातचीत करती थी। वह उन्हें विश्वास में लेकर बैंक खातों से संबंधित गोपनीय जानकारी हासिल करती थी। इसके बाद यह जानकारी टेलीग्राम समूह में साझा की जाती थी। गिरोह के संचालक इन जानकारियों का दुरुपयोग कर खातों से रकम निकाल लेते थे। पुलिस इस पूरे तरीके और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से 19 मोबाइल फोन, 12 लैपटॉप और बड़ी मात्रा में लैपटॉप से जुड़ी सामग्री जब्त की है।

'लोकतंत्र बचाओ, भीड़तंत्र हटाओ' अभियान के लिए टीम गठित

- **अभियान के लिए मुख्य प्रवक्ता रामलाल शर्मा और प्रदेश मंत्री सीताराम को प्रदेश संयोजक बनाया**

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी राजस्थान ने 'लोकतंत्र बचाओ, भीड़तंत्र हटाओ' अभियान के तहत प्रदेश स्तरीय टीम का गठन किया है। इसमें मुख्य प्रवक्ता रामलाल शर्मा, प्रदेश मंत्री सीताराम पोसवाल को प्रदेश संयोजक बनाया है। वही प्रदेश सह-संयोजक की जिम्मेदारी पूर्व उप महापौर पुनीत कर्णावट और भवानीशंकर शर्मा को सौंपी गई है। अभियान के तहत सात कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए प्रमोद वशिष्ठ, लक्ष्मीकांत पारिक और योगेश सिंह सिसोदिया को जिम्मेदारी दी गई है। पदयात्रा के लिए नारायण मीणा, एकता अग्रवाल, नीरज जैन और विक्रम सिंह शेखावत को शामिल किया गया है। राष्ट्र चिंतन संवाद के लिए पूर्व राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, विधायक गोपाल शर्मा, राखी राठौड़ और अटल खंडेलवाल जिम्मेदारी संभालेंगे। युवा संवाद के लिए आईदान सिंह माटी, शंकर गोरा, कैलाश वर्मा और नरेश ओझा को जिम्मेदारी दी गई है। छात्रों की प्रतिस्पर्धा के लिए अपूर्वा सिंह, श्याम सिंह राजावत और होशियार मीणा को शामिल किया गया है। वहीं 'घुसपैठिया हटाओ, लोकतंत्र बचाओ' कार्यक्रम के लिए सुमन शर्मा, श्याम अग्रवाल, अविनाश जोशी और सौम्या गुर्जर को जिम्मेदारी सौंपी गई है। विशेषांक पत्रिकाओं के लिए राजेंद्र सिंह शेखावत, बीरू सिंह राठौड़ और शिव शंकर शर्मा को जिम्मेदारी दी गई है।

चांदपोल के रामचंद्र जी मंदिर में शस्त्र पूजन

जयपुर। विजयादशमी पर मंगलवार को चांदपोल बाजार स्थित ठिकाना मंदिर रामचंद्रजी में रियासतकालीन परंपरा के अनुसार आयुध-शस्त्र पूजन किया गया। शाम छह बजे महंत परिवार की ओर से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ धनुष, बाण, तलवार, खड्ग, कटार, भाला, गदा, बंदूक और फरसा सहित विभिन्न प्राचीन शस्त्रों की पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर मंदिर में ठाकुरजी का राजसी दरबार सजाया गया। हवाई आतिशबाजी और बधाई उत्सव के बीच श्रद्धालुओं ने विजयादशमी का पर्व मनाया। महंत नरेंद्र तिवाड़ी ने बताया कि मंदिर में रियासतकाल से ही विजयादशमी के दिन शस्त्र पूजन की परंपरा निभाई जा रही है। उनके अनुसार, जयपुर में इस मंदिर में विशेष रूप से आयुध पूजन किया जाता है। प्राचीन शस्त्रों को सुरक्षित रखने के लिए मंदिर में अलग से शस्त्रागार भी बना हुआ है। दशहरे के दिन इन शस्त्रों को बाहर निकालकर विधि-विधान से पूजा जाता है। मंदिर के शस्त्रागार में कई ऐतिहासिक और प्राचीन आयुध सुरक्षित हैं। इनमें करीब 10 किलो वजन और तीन फीट लंबा धनुष विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इसे वर्ष 1882 में माजी साहब गुलाब कंवर ने भेंट किया था। इसके अलावा करीब आठ किलो वजन की दोधारी खड्ग और पांच किलो वजन की चांदी की तलवार भी शस्त्रागार की प्रमुख धरोहर हैं। चांदी की तलवार नरेश माधोसिंह ने भेंट की थी। मंदिर में सूर्य चिह्न अंकित काठ की बंदूक भी मौजूद है, जिसे राजा भवानी सिंह ने भेंट किया था। इसके अलावा 10 फीट लंबे भाले, सिंहमुख गदा, लठ और चांदी की परत चढ़े अन्य शस्त्र भी सुरक्षित रखे गए हैं।

निर्माणाधीन मकानों से एसी के कॉपर वायर चुराने वाला शातिर गिरफ्तार

जयपुर । मुरलीपुरा थाना पुलिस ने निर्माणाधीन मकानों को निशाना बनाकर एसी के कॉपर वायर चोरी करने के मामले में एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब 8 किलो कॉपर वायर बरामद किया है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी नशे की लत पूरी करने के लिए चोरी की वारदातों को अंजाम देता था।

डीसीपी जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि परिवादी धर्मेंद्र कुमार शर्मा ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 2 सितंबर को उनके निर्माणाधीन मकान की साइट से एसी का कॉपर वायर चोरी हो गया। इस संबंध में मुरलीपुरा थाने में मामला दर्ज किया गया।

- **8 किलो तांबा बरामद, नशे की लत पूरी करने के लिए करता था चोरी**

मुरलीपुरा थाना पुलिस ने वायर चोरी करने के मामले में एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया।

वहीं घटना की गंभीरता को देखते हुए मुरलीपुरा थानाधिकारी वीरेंद्र कुरील के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के साथ घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने के साथ रात के समय संदिग्ध गतिविधियों की जांच और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपी की पहचान कर विकास स्वामी उर्फ पंखुड़ी (27) निवासी भट्टा बस्ती जयपुर को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के खिलाफ पहले भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर चोरी की अन्य वारदातों के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

दुर्गाबाड़ी में सिंदूर उत्सव मनाया

जयपुर। बनीपार्क स्थित दुर्गाबाड़ी में विजयादशमी के पावन अवसर पर माँ दुर्गा के प्रति अगाध श्रद्धा और पारंपरिक बंगाली संस्कृति के अनुरूप सिंदूर उत्सव पूरी धूमधाम के साथ मनाया गया। इस पारंपरिक उत्सव में बड़ी संख्या में सुहागिन महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर माँ दुर्गा की विशेष पूजा-अर्चना की। उत्सव के दौरान महिलाओं ने सबसे पहले माँ दुर्गा को सिंदूर अर्पित कर उनकी विधिवत पूजा की। इसके बाद भक्ति और उल्लास से परिपूर्ण नृत्य के माध्यम से महिलाओं ने माँ दुर्गा के प्रति अपनी गहरी श्रद्धा व्यक्त की। बंगाली परंपरा के इस मुख्य आकर्षण यानी सिंदूर खेला के तहत महिलाओं ने एक-दूसरे के माथे और चेहरे पर सिंदूर लगाया। इस दौरान महिलाओं ने माँ से अखंड सौभाग्य, परिवार की सुख-समृद्धि और उत्तरोत्तर खुशहाली की कामना की। बंगाली संस्कृति के अनुसार, विजयादशमी के दिन माँ दुर्गा को उनके मायके से ससुराल के लिए विदाई दी जाती है, और यह उत्सव उसी विदाई बेला में सुहागिनों द्वारा माँ के सुखमय वैवाहिक जीवन की मंगलकामना के रूप में मनाया जाता है। सम्पूर्ण दुर्गाबाड़ी परिसर में भक्ति, श्रद्धा और पारंपरिक उल्लास का अनूठा माहौल दिखाई दिया।

'लोक कर्तव्यों का निर्वहन करने वाला लोक सेवक की श्रेणी में'

जयपुर। एसीबी मामलों की विशेष अदालत ने इंटर्नशिप एनओसी के नाम पर रिश्वत लेने से जुडे मामले में आरोपी योगेश कुमार, राजकुमार मीणा और रमेश कुमार को जमानत देने से इनकार कर दिया है। अदालत ने कहा कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम में लोक कर्तव्यों का वास्तविक निर्वहन करने वाला व्यक्ति लोक सेवक की श्रेणी में आता है, उसका नियोक्ता सरकार हो गया अन्य कोई निजी संस्थान। अदालत ने कहा कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के नियमों के अनुसार एनओसी जारी करने के एवज में कॉलेज द्वारा कोई शुल्क लिया जाना तय नहीं था।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक आलोक रवि ने बताया कि परिवादी रायसिंह गुर्जर ने गत 1 अक्टूबर को एसीबी में रिपोर्ट दी थी। जिसमें कहा गया कि उसकी भतीजी कल्पना गुर्जर किशनगढ़ रेनवाल आयुर्वेद कॉलेज से बीएएमएस की पढ़ाई कर रही है और वह अन्य कॉलेज से इंटर्नशिप करना चाहती है। इंटर्नशिप के लिए एनओसी प्राप्त करने हेतु जब 29 सितंबर को आवेदन किया गया, तो कार्यालय में मौजूद एलडीसी राजकुमार और डिप्टी डायरेक्टर योगेश ने 40 हजार रुपए जमा कराने को कहा। कॉलेज कैशियर रमेश शर्मा ने भी यही बात दोहराई और कहा कि यह राशि नकद ही देनी होगी। शिकायतकर्ता का कहना था कि इंटर्नशिप के लिए एनओसी जारी करने की कोई फीस नहीं लगती है। एसीबी ने ट्रेप कार्रवाई करते हुए कैशियर रमेश चंद शर्मा को परिवादी से 35,000 रुपये की रिश्वत राशि लेते हुए दबोचा और तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। सुनवाई के दौरान आरोपियों के अधिवक्ता ने कहा कि संस्था एक प्राइवेट कॉलेज है और उसे सरकार से कोई अनुदान नहीं मिलता है। इसके साथ ही आरोपी भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत लोकसेवक की परिभाषा में नहीं आते हैं। कॉलेज के संघ विधान पत्र के तहत अन्य कॉलेज से इंटर्नशिप चाहने पर कॉलेज के विकास के लिए 40 हजार रुपए शुल्क लेने का प्रावधान है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने जमानत याचिका को खारिज कर दिया है।

प्रथम चरण का प्रचार थमा, आज रवाना होंगे मतदान दल

22 अक्टूबर को प्रात: 7 बजे से सायं 6 बजे तक होगा जिला परिषद् एवं पंचायत समिति सदस्यों के लिए मतदान

जयपुर। पंचायतीराज आम चुनाव 2026 के तहत जयपुर जिले में प्रथम चरण के मतदान की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रथम चरण के लिए बुधवार, 21 अक्टूबर को मतदान दल अंतिम प्रशिक्षण के उपरांत संबंधित मतदान केंद्रों के लिए रवाना होंगें।

मतदान दलों को अंतिम प्रशिक्षण के दौरान मतदान प्रक्रिया, ईवीएम के संचालन तथा निर्वाचन संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देशों की जानकारी दी जाएगी। इसके बाद दलों को निर्वाचन सामग्री एवं निर्धारित व्यवस्थाओं के साथ संबंधित मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया जाएगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नायक ने मंगलवार को भवानी निकेतन फार्मेसी कॉलेज परिसर में सभी संबंधित 8 पंचायत समितियों को रिटर्निंग अधिकारी सहित अन्य सभी चुनाव से जुड़े अधिकारियों के साथ प्रथम चरण के मतदान व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने वीसी के माध्यम से सभी संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों को पंचायती राज चुनाव के प्रथम चरण की निर्वाचन प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के साथ-साथ चुनावों से संबंधित सभी कार्मिकों को निर्वाचन को राष्ट्रीय महत्व का कार्य मानते हुए पूर्ण निष्ठा, निष्पक्षता, ईमानदारी एवं गंभीरता से संपादित करने के निर्देश प्रदान किए हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक ने अधिकारियों के साथ प्रथम चरण के मतदान व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

- **निर्वाचन कार्य को राष्ट्रीय महत्व का कार्य मानते हुए पूर्ण ईमानदारी, निष्ठा, निष्पक्षता एवं गंभीरता से करें संपादित - जिला निर्वाचन अधिकारी**

उन्होंने मतदान के उपरांत ईवीएम का संग्रहण संबंधित पंचायत समिति मुख्यालय पर कर उसे भवानी निकेतन फार्मेसी कॉलेज परिसर में सुरक्षित पहँचाने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों के लिए गुरुवार, 22 अक्टूबर को प्रात: 7 बजे से सायं 6 बजे तक मतदान होगा। प्रथम चरण में पंच एवं सरपंच पदों के लिए शुक्रवार, 23 अक्टूबर को नामांकन प्रक्रिया संपन्न होगी। इसके बाद शनिवार, 24 अक्टूबर को प्रात: 7 बजे से सायं 6 बजे तक मतदान कराया जाएगा।

पंचायती राज में भाजपा की जीत से खुलेगी ग्रामीण विकास की राह: मदन राठौड़

- **ग्रामोत्थान से ही राष्ट्रोत्थान का मार्ग होगा प्रशस्त: मदन राठौड़**
- **भाजपा को जीताकर कांग्रेस की कट-कमीशन वाली संस्कृति को करें समाप्त: मदन राठौड़**

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों का समग्र विकास भाजपा सरकार की प्राथमिकता है। गांवों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार, सड़क, पेयजल, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर ग्रामीण जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकसित गांव ही विकसित राजस्थान और विकसित भारत की मजबूत नींव हैं। भाजपा सरकार का लक्ष्य है कि गांवों में रहने वाले प्रत्येक परिवार तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचे और ग्रामीण नागरिकों को बेहतर सुविधाओं के लिए शहरों पर निर्भर न रहना पड़े। राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकसित भारत 2047 का संकल्प ग्राम विकास के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि ग्राम के विकास के बिना भारत का विकास संभव नहीं है।

उन्होंने कहा कि पंचायती राज में भाजपा के कार्यकर्ताओं का निर्वाचन ना केवल ग्रामीण विकास को गति देगा, बल्कि विकसित भारत के संकल्प को भी साकार करेगा। इसलिए भाजपा ने ग्राम संकल्प पत्र जारी कर अपनी मंशा और प्रतिबद्धता जाहिर की है।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा के लिए गांव, गरीब सदैव महत्वपूर्ण रहे है। अंत्योदय का विचार गांव और गरीब को संबल बनाने की दिशा में काम करता है। ग्रामोत्थान ही राष्ट्रोत्थान का मार्ग प्रशस्त करता है। इसलिए गांवों में ईमानदार और विचार के प्रति समर्पित कार्यकर्ताओं का चुनाव जीतना जरूरी है ताकि जनता के लिए बन रही कल्याणकारी योजनाओं का शतप्रतिशत क्रियान्वयन हो सके और कांग्रेस द्वारा विकसित की गई कट-कमीशन की संस्कृति को समाप्त किया जा सकें। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास के लिए केंद्र और प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, किसानों की समृद्धि, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर तथा महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। गांवों में आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के साथ कृषि, पशुपालन, ग्रामीण उद्योग और स्वरोजगार को प्रोत्साहन देना आवश्यक है, ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो और स्थानीय स्तर पर आजीविका के नए अवसर सृजित हों। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पारदर्शिता के साथ पहुंचाना और विकास कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना सरकार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि राजस्थान की वास्तविक प्रगति तभी सुनिश्चित होगी, जब गांवों का विकास प्राथमिकता के आधार पर होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, सिंचाई, पेयजल, स्वच्छता और अन्य आवश्यक सुविधाओं का विस्तार किसानों, मजदूरों तथा ग्रामीण युवाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जनहित को केंद्र में रखकर ग्रामीण विकास को गति देने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीण जनता के सामूहिक प्रयासों से गांव आत्मनिर्भर बनेंगे और राजस्थान विकास के नए आयाम स्थापित करेगा।

विजयदशमी पर राष्ट्र रक्षा एवं धर्म रक्षा के संकल्प के साथ शस्त्र पूजन कार्यक्रम

शास्त्र हमें धर्म, सत्य व सदाचार का मार्ग दिखाते हैं, जबकि शस्त्र धर्म, राष्ट्र और निर्दोषों की रक्षा करने का सामर्थ्य प्रदान करते हैं : मुकेश सोनी

ब्यावर (निसं) श्रीमद्भागवत प्रभात फेरी परिवार की ओर से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन भारत माता सर्किल पर किया गया। कार्यक्रम में श्रीमद्भागवत प्रभात फेरी परिवार के सदस्यों सहित शहर के गणमान्य नागरिकों एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वैदिक परंपराओं एवं धार्मिक आस्था के साथ शस्त्र पूजन कर सभी ने धर्म, सत्य और न्याय के मार्ग पर चलने तथा धर्म की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने का संकल्प लिया। शस्त्र पूजन के पश्चात देशभक्ति गीतों की गूंज के बीच उपस्थित श्रद्धालु देर तक झूमते और नृत्य करते रहे। पूरे वातावरण में भक्ति, देशप्रेम और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम ने उपस्थित लोगों में धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता और राष्ट्रभक्ति की भावना को और अधिक प्रबल किया। श्रीमद्भागवत प्रभात फेरी परिवार द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किया जाने वाला यह कार्यक्रम भारतीय संस्कृति, परंपराओं एवं धर्म रक्षा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन रहा है। हिंदू हेल्पलाइन द्वारा विजयदशमी के पावन अवसर पर सूरजपोल गेट स्थित हनुमान जी के मंदिर परिसर में राष्ट्र रक्षा एवं धर्म रक्षा के संकल्प के साथ शस्त्र पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधि-विधान से शस्त्र पूजन कर उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं आमजन को राष्ट्र और धर्म की रक्षा का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हिंदू हेल्पलाइन के प्रांत अध्यक्ष मुकेश सोनी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में शास्त्र और शस्त्र दोनों का विशेष महत्व है। शास्त्र हमें धर्म, सत्य और सदाचार का मार्ग दिखाते हैं, जबकि शस्त्र धर्म, राष्ट्र और निर्दोषों की रक्षा करने का सामर्थ्य प्रदान करते हैं। दोनों का संतुलन ही एक सशक्त, संस्कारित और सुरक्षित समाज का आधार है। शस्त्र का उद्देश्य किसी पर अत्याचार करना नहीं, बल्कि अन्याय का प्रतिकार करना और धर्म की रक्षा करना है। उन्होंने कहा कि विजयदशमी हमें अधर्म पर धर्म, असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश देती है। भगवान श्रीराम ने धर्म की स्थापना के लिए रावण का वध किया, वहीं मां दुर्गा ने महिषासुर का संहार कर बुराई पर विजय प्राप्त की। यह पर्व हमें अन्याय के विरुद्ध खड़े होने और अपने राष्ट्र, धर्म एवं संस्कृति की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने की प्रेरणा देता है।इस अवसर पर श्रीरामचरितमानस की चौपाई परहित सरिस धरम नहि भाई, पर पीड़ा सम नहि अधमाई का उल्लेख करते हुए धर्म के मूल स्वरूप, परोपकार और मानवता के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में महंत उम्मेद शर्मा ने विधि-विधान के साथ शस्त्र पूजन करवाया। सर्वप्रथम शस्त्रों को गंगाजल से पवित्र किया गया। इसके पश्चात तिलक लगाकर, पुष्प अर्पित कर एवं मौली बांधकर शस्त्रों की पूजा-अर्चना की गई। महंत उम्मेद शर्मा ने पौराणिक काल से चली आ रही शस्त्र पूजन परंपरा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह परंपरा वीरता, आत्मरक्षा, कर्तव्यनिष्ठा और धर्म की रक्षा के संकल्प का प्रतीक है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं एवं आमजन ने राष्ट्र रक्षा, धर्म रक्षा तथा भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं के संरक्षण के लिए सदैव तत्पर रहने का सामूहिक संकल्प लिया। अंत में सामूहिक आरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में हिंदू हेल्पलाइन के प्रांत अध्यक्ष मुकेश सोनी, नगर संरक्षक उम्मेद शर्मा, मंत्री सत्यनारायण बालोदिया, मंत्री राजेंद्र सांखला संगठन मंत्री बंटी कुमावत, सह कोषाध्यक्ष महेंद्र सोनी, तपेंद्र व्यास, संजय भार्गव, सहित संगठन के कार्यकर्ता एवं सैकड़ों धर्मप्रेमी नागरिक उपस्थित रहे।

श्रीमद्भागवत प्रभात फेरी परिवार की ओर से शस्त्र पूजन कार्यक्रम आयोजित हुआ।

■ हिन्दू हेल्प लाईन एवं श्रीमद्भागवत प्रभात फेरी बजरंगदल संगठनों द्वारा किया गया

सरवाड़ में 51 फीट के रावण सहित कुंभकर्ण-मेघनाद के पुतलों का दहन

सरवाड़ (निसं)। विजयादशमी के अवसर पर मंगलवार को सरवाड़ के रावण चौक मैदान में बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक रावण दहन कार्यक्रम धूमधाम से आयोजित हुआ। इस दौरान 51 फीट ऊंचे रावण तथा 31-31 फीट ऊंचे कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों का दहन किया गया। रंग-बिरंगी आतिशबाजी से आसमान गूंज उठा और मैदान में मौजूद शहरवासियों ने उत्साह के साथ दशहरा पर्व का आनंद लिया।

क्षेत्रीय विधायक शत्रुघ्न गौतम की पहल पर नगर पालिका के तत्वावधान में इस बार भव्य आयोजन किया गया। आयोजकों और शहरवासियों के अनुसार, सरवाड़ के इतिहास में पहली बार इतने बड़े स्तर पर दशहरा कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने आकर्षक झांकियों और रावण दहन का आनंद लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष मनोज सैनी, भाजपा नेता हनुमान शर्मा, एडवोकेट शैलेन्द्र जैन, एडवोकेट अजय पारीक, हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष भागचंद चांपा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष दुर्गालाल माली, उपखंड अधिकारी गजेंद्र शर्मा, अधिशासी अधिकारी मीनाक्षी, भागचंद खींची, गोविंद सिंह भाटी और अर्जुन सिंह सहित अन्य अतिथियों ने भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

■ वृंदावन के कलाकारों ने 21 झांकियों से रामायण प्रसंगों का सजीव चित्रण किया, रंग-बिरंगी आतिशबाज़ी से आसमान जगमगाया

दशहरा पर्व के अवसर पर शाम चार बजे वृंदावन के राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त कलाकारों ने वाल्मीकि रामायण पर आधारित 21 आकर्षक झांकियों का सजीव चित्रण किया। बग्गियों और ट्रैक्टरों में सजाई गई झांकियां नगर पालिका परिसर से रवाना होकर चमन चौराहा, सदर बाजार और सांपला गेट होते हुए रावण चौक पहुंचीं।

झांकियों में भगवान राम का जन्म, गुरुकुल में शिक्षा, माता जानकी के साथ विवाह, वन गमन, नदी पार करना, पंचवटी आगमन, भरत मिलाप, सीता हरण, जटायु प्रसंग और रावण युद्ध सहित रामायण के विभिन्न प्रसंगों को प्रस्तुत किया गया। हनुमानजी की झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। मार्ग में जगह-जगह लोगों ने झांकियों को देखकर उत्साह जताया।

आयोजन के तहत भगवान रघुनाथजी की भव्य शोभायात्रा भी निकाली गई। शोभायात्रा रावण चौक पहुंची, जहां भगवान की आरती की गई और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। रावण दहन के बाद झांकियों और बैंड-बाजों के साथ शोभायात्रा वापस मंदिर पहुंची।

कार्यक्रम के दौरान रावण चौक और आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में शहरवासी मौजूद रहे। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस के जवान मुस्तैद रहे। भव्य झांकियों, आतिशबाजी और आकर्षक आयोजन को लेकर लोगों ने सराहना की। इस बार के विशाल दशहरा महोत्सव ने सरवाड़ में उत्सव का माहौल बना दिया।

सार-समाचार

पूर्णाहुति हवन एवं कन्या पूजन के साथ शारदीय नवरात्रि महोत्सव सम्पन्न

ब्यावर (निसं)। स्थानीय आशापुरा माता धाम में रविवार से आयोजित शारदीय नवरात्रि महोत्सव का समापन पूर्णाहुति हवन एवं कन्या पूजन के साथ हुआ। इस अवसर पर 21 कन्याओं का विधि-विधान से पूजन किया गया। पूजन के पश्चात कन्याओं को भोजन करवाकर चुनरी एवं दक्षिणा भेंट की गई। महोत्सव के समापन अवसर पर आयोजित पूर्णाहुति हवन में निशा नागोरा, दुष्यंत, वर्षा, गायत्री जोशी, राजेश शर्मा, हर्षिता, पूजा एवं सुरेश वैष्णव सहित श्रद्धालुओं ने आहुतियां अर्पित कर माता रानी से सुख-समृद्धि एवं मंगल की कामना की।इस दौरान विद्वान पंडित श्री लोकेश जी, श्री सुखदेव जी छगानी एवं श्री जयकिशन जी ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन सम्पन्न करवाया। धार्मिक अनुष्ठानों एवं भक्तिमय वातावरण के बीच शारदीय नवरात्रि महोत्सव का विधिवत समापन हुआ।

आवश्यक रखरखाव के चलते आज बिजली बंद रहेगी

मसूदा (निसं) । मसूदा विद्युत वितरण निगम के कनिष्ठ अभियंता ने बताया कि आवश्यक रखरखाव एवं मरम्मत कार्य के चलते बुधवार को 11 केवी शेरगढ़-1, कुशलपुरा और लांबा फीडर की बिजली आपूर्ति सुबह 8:30 बजे से दोपहर 1 बजे तक बंद रहेगी। इसके चलते इन फीडरों से जुड़े ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

नवरात्र पर लायंस क्लब आस्था ने 40 बालिकाओं को जूते-चप्पलें भेंट कीं

अजमेर (निसं)। नवरात्र पर्व के पावन अवसर पर लायंस क्लब अजमेर आस्था की ओर से सेवा और सहयोग की भावना के साथ दाता नगर एवं पहाड़ी गणेशगढ़ क्षेत्र में रहने वाली 40 बालिकाओं को निःशुल्क चरण पादुकाएं भेंट की गईं। इस सेवा कार्य से बालिकाओं के चेहरों पर मुस्कान खिल उठी और उनके बीच खुशी का माहौल रहा। क्लब सचिव लायन अनिल चोरड़िया ने बताया कि इस सेवा कार्य को समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल, लायन अतुल पाटनी एवं पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन मधु पाटनी के सहयोग से संपन्न किया गया। कार्यक्रम का संयोजन प्रांतीय सभापति मिशन मुस्कान लायन अतुल पाटनी ने किया। इस अवसर पर सभी 40 बालिकाओं को तिलक लगाकर और टॉफियां भेंट कर स्नेहपूर्वक निःशुल्क चरण पादुकाओं का वितरण किया गया। सेवा कार्य के दौरान बालिकाओं में उत्साह देखने को मिला।

शोभायात्रा के बाद मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन हुआ

मसूदा (निसं)। मसूदा उपखंड क्षेत्र में शारदीय नवरात्र के दौरान सजाए गए देवी पंडालों में विजयदशमी पर स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। मंगलवार सुबह से ही विभिन्न पंडालों से भव्य शोभायात्राएं निकाली गईं। प्रतिमाओं को मसूदा स्थित गोपाल सागर तालाब में विसर्जित किया गया। इस दौरान भक्तों ने नम आंखों से मां दुर्गा को विदाई दी। शोभायात्राओं में पूजा समितियों के सदस्य ढोल-बाजे और संगीत के साथ शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर विजयदशमी की बधाई दी। विसर्जन से पहले महिलाओं ने मां की पूजा-अर्चना कर सिंदूर खेला। दर्शन और पूजा के दौरान श्रद्धालुओं ने संयम एवं धैर्य का परिचय दिया। आयोजन के दौरान पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा।

श्रीजी विहार में डांडिया महोत्सव का भव्य समापन, विजेताओं को सम्मानित किया

अजमेर (निसं)। वरुण सागर रोड स्थित श्रीजी विहार परिवार की ओर से आयोजित श्रीजी विहार डांडिया महोत्सव-2026 का भव्य समापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अजमेर की महापौर अनामिका शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस दौरान उन्होंने कॉलोनी वासियों के साथ करीब दो घंटे तक गरबा खेला। महापौर के साथ डांडिया खेलने के लिए बच्चों और महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम संयोजक प्रिया चौहान ने बताया कि महोत्सव के समापन समारोह में क्षेत्रवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महापौर अनामिका शर्मा के साथ गरबा खेलने को लेकर बच्चों और महिलाओं में होड़ लगी रही। पूरे आयोजन के दौरान उत्सव का माहौल बना रहा। महिला सशक्तिकरण की प्रांतीय सभापति लायन आभा गांधी ने बताया कि महोत्सव में बच्चों, महिलाओं, दंपतियों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए गरबा के अलग-अलग दौर आयोजित किए गए। इनमें बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

अलवर के पुरूषार्थी समाज ने रावण का दहन रिमोट से किया

अलवर (निसं)। इस बार भी बुराई का प्रतीक रावण धू-धू करके जला जलने से पहले रावण के पुतले की आखों से चिंगारियां निकली तो श्री राम से युद्ध करने की नीयत से उसने तलवार भी चलाई और अपनी जीब को भी हिलाया लेकिन अपने अन्त को नही बचा सका आज पहली बार अलवर में रिमोंट द्वारा रावण का दहन किया गया। बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक विजयदशमी का पर्व आज उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर शहर के अलग-अलग गली-मोहल्लों में रावण के पुतलों का दहन किया। वहीं, अलवर शहर के दशहरा मैदान में पुरुषार्थी समिति की ओर से विशेष समारोह आयोजित हुआ। समिति की ओर से तीनों पुतले सोमवार को दशहरा मैदान पहुंचाए गए । इन्हें क्रेन की सहायता से खड़ा किया गया है। इस बार रावण दहन पारंपरिक तरीके से तीर चलाकर नहीं, बल्कि रिमोट के जरिए किया जाएगा। आयोजन को खास बनाने के लिए मैदान में आकर्षक लाइटिंग और ग्रीन आतिशबाजी की व्यवस्था भी की गई।

लाडनूं के तेलीरोड तिराहे पर टूटे नाले से बढ़ा हादसों का खतरा

लाडनूं (निसं)। शहर के तेलीरोड स्थित पुरानी फाटक के पास तिराहे पर क्षितग्रस्त नाला राहगीरों और वाहन चालकों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। टूटे चैंबर से दिनभर नाले में वाहन फंस रहे हैं, जिससे यहां कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। हैरानी की बात यह है कि महज सात माह पहले ही नाला निर्माण एवं चैंबर बनाने के नाम पर लाखों रुपए खर्च किए गए थे, लेकिन निर्माण की गुणवत्ता ऐसी रही कि नाला एक महीने के भीतर ही टूटकर क्षितग्रस्त हो गया।

जानकारी के अनुसार 30 मार्च को गली नंबर एक से पुरानी रेलवे फाटक तक नाला निर्माण एवं चैंबर का निर्माण कार्य शुरू किया गया जिसमें नगरपालिका द्वारा 6.52 लाख रुपए खर्च किए गए थे। लेकिन निर्माण के कुछ ही समय बाद नाला टूटने लगा और अब तिराहे पर बनाए गए चैंबर और लोहे की जाली टूटने से इसकी हालत बदतर हो चुकी है। नाले में बने गड्ढे के कारण वाहन चालकों को आवागमन में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। कई वाहन इसमें फंस रहे हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा लगातार बढ़ रहा है।

■ 30 मार्च को नाला निर्माण एवं चैंबर का निर्माण कार्य के लिए 6.52 लाख रुपए खर्च किए थे

निर्माण की गुणवत्ता पर उठ रहे सवाल:

नाला और चैंबर निर्माण के लिए लाखों रुपए खर्च होने के बावजूद इतनी जल्दी क्षितग्रस्त हो जाना निर्माण कार्य की गुणवत्ता और निर्माण एजेंसी की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। आखिर निर्माण के दौरान किन मानकों का पालन किया गया? यदि कार्य गुणवत्तापूर्ण था, तो नाला महज एक महीने में ही टूटकर कैसे क्षितग्रस्त हो गया? क्या निर्माण कार्य के दौरान अधिकारियों ने मौके पर आकर इसकी जांच की थी और क्या संबंधित एजेंसी की कोई जवाबदारी तय की गई है?

शिकायतों के बाद भी समाधान नहीं:

स्थानीय लोगों एवं पार्षदों की निरंतर शिकायतों के बावजूद भी अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। क्षितग्रस्त नाले के कारण आमजन को रोजाना परेशानी झेलनी पड़ रही है, वहीं वाहन चालकों के लिए यह स्थान दुर्घटना का केंद्र बनता जा रहा है।

पुलिस आयुक्तालय पर महिला कांग्रेस का प्रदर्शन

अजमेर (निसं)। राजस्थान प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष सारिका सिंह के निर्देशानुसार रितु बराला की प्राथमिकी दर्ज नहीं किए जाने के विरोध में जयपुर पुलिस आयुक्तालय पर प्रदर्शन किया गया। अजमेर महिला कांग्रेस की अध्यक्ष लक्ष्मी बुंदेल के नेतृत्व में अजमेर से बड़ी संख्या में महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन में भाग लिया। इस दौरान लक्ष्मी बुंदेल ने कहा कि रितु बराला की प्राथमिकी दर्ज नहीं किया जाना बेहद गंभीर मामला है। जब किसी पीड़ित को अपनी शिकायत दर्ज करवाने के लिए संघर्ष करना पड़े, तो यह कानून व्यवस्था और महिलाओं को न्याय दिलाने की व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को न्याय दिलाना और उनकी शिकायतों पर निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करना पुलिस प्रशासन की जिम्मेदारी है। लक्ष्मी बुंदेल ने मांग की कि जयपुर पुलिस रितु बराला की प्राथमिकी तत्काल दर्ज करें और मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

भूणाबाय में भव्य शोभायात्रा निकली

भूणाबाय से तेजाजी धाम तक गाजे-बाजे के साथ कलश और ध्वज यात्रा निकाली गई।

अजमेर (निसं)। शहर के भूणाबाय क्षेत्र में वीर तेजाजी महाराज की असीम कृपा और स्थानीय निवासियों के उत्साह के बीच एक भव्य और विशाल धार्मिक आयोजन संपन्न हुआ। भूणाबाय से रसूलपुर रोड स्थित तेजाजी नगर के तेजाजी धाम तक गाजे-बाजे के साथ कलश और ध्वज यात्रा निकाली गई। इस अवसर पर 51 कलशों और 21 धर्म ध्वजाओं के साथ निकले श्रद्धालुओं के जयकारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो उठा।

सुरसुरा धाम से लाई गई पवित्र ज्योत: मुख्य उपासक कालूराम महाराज के सानिध्य और कुशल नेतृत्व में यह विशाल यात्रा निकाली गई। यात्रा का मुख्य आकर्षण लोकदेवता वीर तेजाजी के प्रमुख तीर्थ सुरसुरा धाम से लाई गई पवित्र अखंड ज्योत रही। इस ज्योत के दर्शनों के लिए मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। जब 51 महिलाएं सिर पर मंगल कलश धारण कर और भक्त 21 ध्वज लेकर निकले, तो ढोल-नगाड़ों की थाप पर पूरा माहौल पूरी तरह से भक्तिमय हो गया। इस विशेष आयोजन में आस्था का सैलाब केवल स्थानीय लोगों तक सीमित नहीं था, बल्कि जयपुर और श्रीनगर से आए श्रद्धालुओं ने भी इसमें विशेष रूप से भाग लिया।

कॉलोनीवासियों का रहा सराहनीय सहयोग: इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में तेजाजी नगर और आसपास की कॉलोनियों के निवासियों ने एकजुट होकर कार्य किया। व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संभालने में पवन सिंह रावत, छगनलाल कोटवाल, जय सिंह, पांचू जी, मंडोलिया और धरतीराज कमल सहित कॉलोनी के सभी गणमान्य लोगों और युवाओं ने अपना महती योगदान दिया। यात्रा के मार्ग में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया।

भजनों की स्वरलहरियों पर देर रात तक झूमे भक्त: देर शाम कलश यात्रा के तेजाजी धाम पहुंचने के बाद ज्योत स्थापना और महाआरती की गई। इसके पश्चात एक विशाल रात्रि जागरण का आयोजन हुआ। इस जागरण में आमंत्रित सुप्रसिद्ध भजन गायकों ने एक से बढ़कर एक धार्मिक भजनों की प्रस्तुतियां दीं। गायकों द्वारा वीर तेजाजी महाराज की महिमा और अन्य देवी-देवताओं के भजनों का ऐसा समां बांधा गया कि वहां मौजूद हर एक भक्त भक्तिरस में सराबोर हो गया। कड़ाके की ठंड के बावजूद श्रद्धालु देर रात तक भजनों पर झूमते रहे और धार्मिक उल्लास का आनंद लेते रहे।

'प्रवचन से आत्मकल्याण की प्रेरणा मिलती है'

अजमेर (निसं)। पुष्कर रोड स्थित रामनगर के महावीर भवन में रत्न संघ के आठवें पट्टधर आचार्य हीराचंदजी महाराज के आज्ञानुवर्ती संत गौतम मुनि ने प्रवचन में कहा कि तीर्थंकरों की वाणी आत्मा के लिए प्रेरणा, खुराक और संजीवनी है। प्रवचन से मिली एक प्रेरणा भी जीवन में उतार ली जाए तो जीव दुर्गति से बच सकता है। उन्होंने कहा कि जीव का लक्ष्य वीतरागता प्राप्त करना है, लेकिन मोहनीय कर्म इसमें बाधा बनते हैं। जैन दर्शन में सम्यक दर्शन को शुद्ध रखने के लिए दोषों से बचना आवश्यक है। जिनवाणी के प्रति श्रद्धा शत-प्रतिशत होनी चाहिए, जबकि चर्चा में तर्क का अनावश्यक आठाह नहीं होना चाहिए। वीतराग वाणी पर संदेह करना मिथ्यात्व है। वहीं, सिद्धांतों और तत्वों की जांच किए बिना केवल परंपरा के नाम पर उनका पालन करना भी उचित नहीं है। धर्म संबंधी मान्यताओं की जांच-परख कर अज्ञानवश चली आ रही गलत परंपराओं को बदलना चाहिए।

विजयदशमी एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना दिवस पर पथ संचलन

बिजयनगर (कासं)। विजयादशमी एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना दिवस के अवसर पर मंगलवार, 20 अक्टूबर 2026 को बिजयनगर नगर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा भव्य पथ संचलन निकाला गया। पूर्ण गणवेश में कदम से कदम मिलाकर चलते स्वयंसेवकों का अनुशासन, समर्पण और राष्ट्रभक्ति देखते ही बन रही थी। हाथों में भगवा ध्वज और घोष की ओजस्वी धुनों के बीच नगर का वातावरण राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत हो गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता हेमराज , सह विभाग कार्यवाह, अजमेरू विभाग का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। वहीं मुख्य अतिथि कीमतराम महाराज की गरिमामयी उपस्थिति रही।

पथ संचलन का शुभारंभ हर्ष पैलेस से हुआ। इसके पश्चात संचलन राजनगर रेलवे स्टेशन, बापू बाजार, सब्जी मंडी, पीपली चौराहा एवं कृषि मंडी सहित नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए पुनः हर्ष पैलेस पहुंचकर संपन्न हुआ। मार्ग में जगह-जगह नगरवासियों ने पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया। नागरिकों के उत्साह और आत्मीयता ने पूरे आयोजन को उत्सवमय बना दिया।संचलन के दौरान संघ के घोष दल द्वारा किरण, उदय, श्रीराम, चेतक, मेवाड़, भूप, सोनभद्र, मीरा एवं स्वर पाठ-2 सहित विभिन्न रचनाओं का वादन किया गया। घोष की लयबद्ध एवं ओजस्वी धुनों ने संचलन की भव्यता को और बढ़ाया तथा अनुशासन और सामूहिकता का प्रभावशाली दृश्य प्रस्तुत किया।विजयादशमी का पर्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि इसी दिन संघ अपना स्थापना दिवस मनाता है। बिजयनगर में आयोजित इस पथ संचलन ने अनुशासन, सामाजिक समरसता, संगठन एवं राष्ट्रसेवा का संदेश दिया। नगरवासियों के सहयोग और स्वागत ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया।

बजरबट्टू बाबा की 115वीं जयंती पर भव्य शोभायात्रा

ब्यावर (निसं)। शहर के प्राचीन एवं प्रसिद्ध श्री प्रसन्न गणपति बजरबट्टू मंदिर के ब्रह्मलीन संत 1008 गणेश गिरी महाराज उर्फ बजरबट्टू बाबा की 115वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित दो दिवसीय धार्मिक कार्यक्रमों का समापन विशाल भंडारे के साथ हुआ। जयंती समारोह के दौरान भजन संध्या, भव्य शोभायात्रा सहित विभिन्न धार्मिक आयोजन हुए। शोभायात्रा में देश के विभिन्न भागों से आए नागा साधुओं ने अपने हैरतअंगेज करतब दिखाकर श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित किया।मंदिर के मीडिया प्रभारी रमेश शर्मा ने बताया कि जयंती समारोह के एक दिन पूर्व भजन संध्या का आयोजन किया गया। इसमें सोहन दान चारण, नरेश झंवर, पंडित जितेंद्र शास्त्री और नारायण सिंह पिपलाज सहित अन्य कलाकारों ने भजनों की प्रस्तुतियां देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

हाई सिक्योरिटी जेल में रावण दहन, जीवेश ने राम बन तीर चलाया

अजमेर (निसं)। घूघरा स्थित हाई सिक्योरिटी जेल में मंगलवार को विजयादशमी पर्व मनाया गया। जेल परिसर में सजायाफ्ता बंदी आरिफ उर्फ सिकंदर द्वारा छह दिन की मेहनत से तैयार किए गए रावण के पुतले का दहन किया गया। इस दौरान बच्चों के जय श्रीराम के जयघोष से जेल परिसर गूंज उठा। कार्यक्रम में मुख्य प्रहरी विष्णु कुमार के पुत्र जीवेश ने भगवान राम का स्वरूप धारण कर रावण की नाभि पर तीर चलाया। जेल अधीक्षक पारस जांगिड़ की प्रेरणा से बंदी सिकंदर ने आटा, पुराने अखबार, गत्ते और रंगीन कागजों से दस सिरों वाला रावण बनाया था। जेल अधीक्षक पारस जांगिड़ ने कहा कि रावण दहन बुराइयों को समाप्त करने का संकल्प है। उन्होंने कारागार में हिंसा, नशे, अवैध गतिविधियों और अनुशासनहीनता पर रोक लगाने के लिए कार्मिकों से सतर्कता, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करने का आव्हान किया। इस अवसर पर मुख्य प्रहरी वीरेंद्र भाटी, सतवीर सिंह, रेशम सिंह, फिरोज खान, करण सिंह, आरएसी दल प्रभारी सहित कारागार के कर्मचारी और उनके परिजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने बुराई पर अच्छाई की जीत के साथ सुरक्षा, अनुशासन और सकारात्मक बदलाव का संदेश दिया।

पटेल मैदान में "जय श्रीराम" के जयकारे गूंजे तथा रावण का दहन हुआ

दशहरा महोत्सव में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी भी मौजूद रहे

अजमेर (निसं)। विजयादशमी का पर्व अजमेर शहर सहित जिलेभर में हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अजमेर के पटेल मैदान में नगर निगम की ओर से दशहरा महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव में रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के विशाल पुतले आकर्षण का केंद्र रहे। रावण के पुतले को विशेष रूप से तैयार किया गया था, जिसमें वह अपने हाथ से तलवार घुमाता नजर आया, वहीं उसकी आंखें भी टिमटिमाती दिखाई दीं। इस अनूठे नजारे को देखने के लिए पटेल मैदान में शहरवासियों की भारी भीड़ उमड़ी। पूरे आयोजन के दौरान उत्साह और उल्लास का माहौल बना रहा तथा जय श्रीराम के जयकारे गूंजते रहे।

दशहरा महोत्सव के तहत भगवान श्रीराम की विजय यात्रा घसेटी बाजार स्थित श्री रघुनाथ जी मंदिर से रवाना हुई। यात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए पटेल मैदान पहुंची। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में उत्साह दिखाई दिया। भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और हनुमान सहित उनकी सेना के स्वरूपों ने पटेल मैदान में रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के साथ युद्ध का मंचन किया। इस दौरान रामायण के प्रसंगों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया, जिसे देखने के लिए मैदान में मौजूद लोगों में खासा उत्साह रहा।

■ राम-लक्ष्मण और हनुमान की सेना ने रावण, मेघनाद व कुंभकर्ण से युद्ध किया, ड्रोन लेज़र शो ने मन मोहा; दशहरा महोत्सव में शहरवासियों की भीड़ उमड़ी

ड्रोन लेजर शो ने बांधा समां:

नगर निगम की ओर से दशहरा महोत्सव को खास बनाने के लिए ड्रोन लेजर शो का भी आयोजन किया गया। इस शो ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। आसमान में रोशनी के आकर्षक नजारों ने दर्शकों का मन मोह लिया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में दशहरा महोत्सव को लेकर खास उत्साह नजर आया। शहरवासी परिवार सहित पटेल मैदान पहुंचे और भगवान श्रीराम की विजय तथा बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक इस पर्व के साक्षी बने।

रावण दहन देखने उमड़ा जनसैलाब:

पटेल मैदान में रावण दहन देखने के लिए बड़ी संख्या में शहरवासी पहुंचे। रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतलों के साथ युद्ध के मंचन और अन्य आकर्षणों ने लोगों को बांधे रखा। विजयादशमी के अवसर पर आयोजित इस महोत्सव में धार्मिक आस्था के साथ उत्सव का माहौल देखने को मिला। लोगों ने भगवान श्रीराम की विजय के प्रतीक पर्व को उत्साह के साथ मनाया।

जनप्रतिनिधि और अधिकारी रहे मौजूद:

दशहरा महोत्सव में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, नगर निगम महापौर अनामिका शर्मा, उपमहापौर हेमंत सांखला और भाजपा शहर अध्यक्ष रमेश सोनी सहित अन्य भाजपा नेता तथा अधिकारी मौजूद रहे। आयोजन के दौरान पटेल मैदान और उसके आसपास सुरक्षा एवं व्यवस्थाएं बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात रहा। पुलिसकर्मियों ने भीड़ को नियंत्रित करने और कार्यक्रम के दौरान व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी संभाली।

इस प्रकार अजमेर में विजयादशमी का पर्व धार्मिक श्रद्धा, उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। पटेल मैदान में आयोजित दशहरा महोत्सव में रावण के अनूठे पुतले, रामायण प्रसंगों के मंचन और ड्रोन लेजर शो ने आयोजन को खास बना दिया।

राजपूत समाज ने दशहरा उत्सव मनाया शस्त्र पूजन किया

अलवर (निसं)। आज श्री प्रताप राजपूत छात्रावास शिक्षा समिति, अलवर में राजपूत समाज द्वारा दशहरा उत्सव मनाया गया। समारोह में मुख्य अतिथि भँवर जितेन्द्र सिंह पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने शस्त्र पूजन व दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम की शुरूआत की। इस कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि के रूप में बिजेन्द्र सिंह कारोली, सुरजभान सिंह गौड, नरेन्द्र सिंह राठौड, नरेन्द्र सिंह चैहान, महिपाल सिंह चैहान, विंग कमांडर मंगल सिंह नरूका, जोगेन्द्र सिंह राजावत व विरेन्द्र सिंह भाटी शामिल रहे।

कार्यक्रम में छात्रावास के नवनिर्मित 10 कमरों का अतिथियों द्वारा उद्घाटन किया गया। समिति द्वारा समाज के लगभग 200 छात्र-छात्राओं को जिन्होंने 10वीं एवं 12वीं कक्षा में 80 प्रतिशत, स्नातक में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किये उन्हें सम्मानित किया तथा छात्रावास में

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमारी भागीद

मुझसे कौन ही बात करेगा। और क्यों बात करेगा। टीम इंडिया के कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में नहीं हूं, इसलिए कोई मेरी तरफ क्यों देखेगा।
– मोहम्मद शमी

पूर्व भारतीय गेंदबाज, चयनकर्ताओं और टीम मैनेजमेंट से नाराज होते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — क्रिस्टियानो रोनाल्डो

पुर्तगाल फुटबॉल फेडरेशन ने स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो पर 30 दिन का प्रतिबंध लगा दिया है। इसके साथ ही उन पर करीब 27,154 रुपये (255 यूरो) का जुर्माना भी लगाया गया है। फेडरेशन ने यह कार्रवाई पुर्तगाल के ट्रेनिंग कैंप से बिना अनुमति चले जाने के मामले में की है। रोनाल्डो ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय ब्रेक के दौरान कैंप छोड़ दिया था, जिसके बाद उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई। यह फैसला 30 सितंबर से लागू माना गया है। इसके चलते 41 वर्षीय रोनाल्डो 14 नवंबर को पुर्तगाल के अगले अंतरराष्ट्रीय मैच से वापसी कर सकेंगे।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के नाम वनडे क्रिकेट में सबसे बड़ी पारी (264 रन, बनाम श्रीलंका, 2014) खेलने का वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज है।

भारत ने जिम्बाब्वे पर किया क्लीन स्वीप, आखिरी मैच में 92 रनों से हराया

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर। भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज में क्लीन स्वीप कर लिया है। टीम इंडिया ने स्मृति मंधाना की कप्तानी में रायपुर में खेले गए तीनों मुकाबलों में जीत दर्ज की है। मंगलवार को खेले गए आखिरी मैच में भारत ने जिम्बाब्वे को 92 रनों से करारी शिकस्त दी है। सीरीज का पहला मुकाबला भारत ने 4 विकेट से जीता था, जबकि दूसरे मुकाबले में मेहमान टीम को 9 विकेट से शिकस्त दी थी।

मंगलवार, 20 अक्टूबर को खेले गए आखिरी मुकाबले भारतीय टीम की कप्तान स्मृति मंधाना ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। भारत की शुरुआत इस मुकाबले में अच्छी रही और शानदार तरीके से बल्लेबाजों ने रन बनाए। हरमनप्रीत कौर की 91 और शैफाली वर्मा की 69 रनों की पारी की मदद से भारत ने जिम्बाब्वे के सामने 217 रनों का विशाल लक्ष्य रखा। इस विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 124 रन ही 7 विकेट के नुकसान पर बना सकी।

भारत ने अनुष्का शर्मा के रूप में अपना पहला विकेट खोया। उन्होंने 20 गेंदों में 28 रन बनाए। मंधाना आज अभी तक बैटिंग करने नहीं आईं। अनुष्का के बाद निक्की प्रसाद भी 9 रन 12 गेंदों में बनाकर आउट हो गईं। शैफाली वर्मा ने 27 गेंदों में अर्धशतक जड़ा। शैफाली वर्मा 37 गेंदों में 69 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। पूर्व कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 41 गेंदों में 91 रनों की तूफानी पारी खेली। उन्होंने 10 चौके और पांच छक्के जड़े। जिम्बाब्वे की बल्लेबाज शार्ने मेयर्स ने अर्धशतक जड़ा। उन्होंने 49 गेंदों में 60 रन बनाए जबकि प्रिय बिजा ने 50 गेंदों में 44 रनों की पारी खेली।

आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन पर शेफाली वर्मा को आधिकारिक फटकार

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर। भारतीय महिला क्रिकेटर शेफाली वर्मा को जिम्बाब्वे के खिलाफ रविवार को खेले गए दूसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की आचार संहिता के उल्लंघन के लिए आधिकारिक फटकार लगाई गई है। उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है। शेफाली को खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए निर्धारित आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया। यह अनुच्छेद अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के दौरान क्रिकेट के उपकरणों, कपड़ों, मैदान के उपकरणों या अन्य सुविधाओं के दुरुपयोग से संबंधित है यह घटना जिम्बाब्वे की पारी के 12वें ओवर में हुई। भारतीय गेंदबाज श्री चरणी की गेंद पर शेफाली ने मिड-ऑफ पर चिपो मुगेरी-तिरिपानो का कैच छोड़ दिया।

फ्रेंच ओपन : तन्वी ने प्री-क्वार्टर फाइनल की ओर बढ़ाया कदम

पेरिस, 20 अक्टूबर। भारत की 17 वर्षीय बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने फ्रेंच ओपन-2026 में अपनी हमवतन ईशारानी बरुआ को हराकर अगले दौर में जगह बना ली। मंगलवार को खेले गए महिला एकल के मुकाबले में तन्वी ने 22 वर्षीय ईशारानी को 21-12, 21-12 से शिकस्त दी। यह मुकाबला 32 मिनट तक चला। इस जीत के बाद तन्वी का अगले दौर में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी दक्षिण कोरिया की आन से यंग से सामना हो सकता है। आन को पहले दौर में डेनमार्क की अमाली शुल्ज से खेलना है। तन्वी हाल ही में डेनमार्क ओपन के क्वार्टर फाइनल में आन से यंग को चुनौती दे चुकी हैं, हालांकि उन्हें 15-21, 13-21 से हार का सामना करना पड़ा था।

रणजी ट्रॉफी : गायकवाड़ का शतक, साई किशोर के 10 विकेट, पंजाब, बंगाल और यूपी की जीत

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर। रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर के तीसरे दिन मंगलवार को बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। महाराष्ट्र के ऋतुराज गायकवाड़ ने शतक जड़ा, जबकि तमिलनाडु के साई किशोर ने 10 विकेट लेकर उत्तराखंड के खिलाफ टीम को पारी और 66 रन से जीत दिलाई। पंजाब के हरप्रीत बराड़ और बंगाल के शाहबाज अहमद ने भी गेंद से प्रभावशाली प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश और बंगाल के साथ विदर्भ ने भी जीत दर्ज की।

साई किशोर के 10 विकेट, तमिलनाडु की बड़ी जीत

साई किशोर ने पहली पारी में 40 रन देकर चार और दूसरी पारी में 34 रन देकर छह विकेट झटके। उनके इस प्रदर्शन से तमिलनाडु ने उत्तराखंड को पारी और 66 रन से हराया। उत्तराखंड की टीम पहली पारी में 134 रन पर सिमट गई थी। इसके जवाब में तमिलनाडु ने प्रदोष रंजन पॉल के 136 और बाबा इंद्रजीत के 77 रन की मदद से 313 रन बनाए। पहली पारी में 179 रन से पिछड़ने के बाद उत्तराखंड दूसरी पारी में 113 रन पर ढेर हो गया। प्रदोष को शतकीय पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

ऋतुराज और बावने के शतक से महाराष्ट्र मजबूत

झारखंड के पहली पारी के 169 रन के जवाब में महाराष्ट्र ने तीसरे दिन अपनी पहली पारी पांच विकेट पर 527 रन बनाकर घोषित कर दी। ऋतुराज गायकवाड़ ने 172 गेंदों में 101 रन बनाए, जबकि अंकित बावने ने 358 गेंदों पर 169 रन की पारी खेली। बावने का यह प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 26वां शतक था। महाराष्ट्र को पहली पारी में 358 रन की बढ़त मिली। दिन का खेल समाप्त होने तक झारखंड ने दूसरी पारी में एक विकेट पर 130 रन बना लिए थे। शिखर मोहन 74 और उत्कर्ष सिंह 45 रन बनाकर नाबाद थे।

चोट के कारण इगा स्वियातेक निंगबो ओपन से हटी

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर। छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन पोलैंड की इगा स्वियातेक ने जांघ की चोट के कारण निंगबो ओपन से नाम वापस ले लिया है। इस फैसले के साथ ही साल के अंतिम टूर्नामेंट डब्ल्यूटीए फाइनल्स के लिए सीधे क्वालीफाई करने की उनकी उम्मीदें भी समाप्त हो गई हैं। स्वियातेक को वुहान ओपन के सेमीफाइनल में अपनी हमवतन माजा च्वालिंस्का के खिलाफ मुकाबले के दौरान बाएं जांघ में चोट लगी थी। इस मुकाबले में उन्हें 5-7, 1-6 से हार का सामना करना पड़ा था। चोट के कारण वह मैच के दौरान भी असहज नजर आई थीं और उन्होंने पैर के उपचार के लिए मेडिकल टाइमआउट लिया था। निंगबो ओपन के आधिकारिक सोशल मीडिया खाते पर जारी बयान के अनुसार, स्वियातेक ने कहा कि पिछले कुछ सप्ताह से उनकी बाईं जांघ में लगातार परेशानी बनी हुई है। उन्होंने सोच-विचार के बाद टूर्नामेंट से हटने और आराम कर चोट से उबरने का फैसला किया है।

न्यूजीलैंड दौरे के लिए क्राइस्टचर्च पहुंची भारतीय टीम, कल से टी-20 सीरीज का आगाज

क्राइस्टचर्च, 20 अक्टूबर। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी बहु-प्रारूप दौरे के लिए क्राइस्टचर्च पहुंच गई है। दौरे का आगाज 22 अक्टूबर को पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले से होगा। दोनों टीमों के बीच 1 दिसंबर तक पांच टी-20, पांच एकदिवसीय और दो टेस्ट मुकाबले खेले जाएंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने भारतीय दल के क्राइस्टचर्च हवाई अड्डे पर पहुंचने की तस्वीरें साझा की हैं। पहले दल में मुख्य कोच गौतम गंभीर, भुवनेश्वर कुमार, नितीश कुमार रेड्डी, वरुण चक्रवर्ती, नमन धीर और वैभव सूर्यवंशी शामिल हैं।

बीसीसीआई और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शुरू किया अंपायरों का आदान-प्रदान कार्यक्रम

मेलबर्न, 20 अक्टूबर। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अंपायरों के अनुभव और कौशल को बढ़ाने के लिए आपसी आदान-प्रदान कार्यक्रम की घोषणा की है। इसके तहत ऑस्ट्रेलियाई अंपायर बेन ट्रेलोर भारत में रणजी ट्रॉफी के दो मुकाबलों में अंपायरिंग करेंगे, जबकि भारतीय अंपायर पराशर जोशी ऑस्ट्रेलिया में शेफील्ड शील्ड के दो मैचों और एक वनडे कप मुकाबले में जिम्मेदारी संभालेंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, ट्रेलोर 18 से 21 अक्टूबर तक दिल्ली में दिल्ली और गुजरात के बीच रणजी ट्रॉफी मुकाबले में अंपायरिंग करेंगे। इसके बाद वह 26 से 29 अक्टूबर तक मुंबई में मुंबई और हरियाणा के बीच होने वाले मैच में अंपायर की भूमिका निभाएंगे।

राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब द्वारा 26 से अंडर-14 यूथ कप का आयोजन

जयपुर, 20 अक्टूबर। राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब द्वारा 26 अक्टूबर से अंडर-14 यूथ कप क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में कुल 16 टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता के अंतर्गत प्रत्येक टीम को 50-50 ओवर के तीन लीग मैच खेलने का अवसर मिलेगा। क्वार्टर फाइनल एवं सेमीफाइनल मुकाबले भी 50-50 ओवर के होंगे, जबकि फाइनल मुकाबला दो दिवसीय प्रारूप में खेला जाएगा।

रेलवे अकादमी और सीकर अकादमी सेमीफाइनल में

जयपुर, 20 अक्टूबर। जयपुर के स्थानीय डॉक्टर सोनी क्रिकेट स्टेडियम पर चल रहे फर्स्ट कर्नल बिशन सिंह राठौड़ क्रिकेट टूर्नामेंट में मुकाबला रेलवे अकाडमी और सीकर अकादमी के बीच खेला गया। जिसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए रेलवे क्रिकेट अकादमी ने 166 रन बनाए।

70वीं स्कूल नेशनल वुशू चैम्पियनशिप में राजस्थान वुशू टीम ने लहराया परचम, जीता चैम्पियनशिप का खिताब

जयपुर, 20 अक्टूबर। श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर में 14 से 20 अक्टूबर तक आयोजित हुई 70वीं स्कूल नेशनल अंडर -17 (बालक/बालिका) वुशू प्रतियोगिता 2026 में राजस्थान की बालक एवं बालिका वुशू टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में देश की 35 टीमों ने भाग लिया, जिसमें राजस्थान ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल टीम चैंपियनशिप में प्रथम स्थान तथा बालिका टीम में प्रथम स्थान तथा बालक वर्ग में दूसरा स्थान प्राप्त कर राजस्थान का नाम रोशन किया। हीरानंद कटारिया, अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ ने बताया कि राजस्थान की टीम ने कुल 12 पदक अपने नाम किए, जिनमें 6 स्वर्ण, 2 रजत एवं 4 कांस्य पदक शामिल हैं। बालिका टीम ने 4 स्वर्ण एवं 1 कांस्य पदक तथा बालक टीम ने 2 स्वर्ण, 2 रजत एवं 3 कांस्य पदक जीते। तथा निरीक्षा कँवर ने प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ बालिका खिलाडी का ख़िताब जीता।

22 से 27 अक्टूबर तक जयपुर में आयोजित होगी जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता

जयपुर, 20 अक्टूबर। जयपुर में 22 से 27 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होने वाली जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में राजस्थान के 24 चयनित खिलाड़ी प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। राजस्थान तीरंदाजी संघ द्वारा जारी टीम सूची में रिकर्व, इंडियन राउंड और कंपाउंड स्पर्धाओं के महिला एवं पुरुष वर्ग के खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। ऱाजस्थान तीरंदाजी संघ के महासचिव सुरेंद्र सिंह गुर्जर ने बताया कि राजस्थान के सभी खिलाड़ी इस समय अच्छी फॉर्म में हैं। खिलाड़ियों की तैयारी और प्रदर्शन को देखते हुए उम्मीद है कि टीम प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करेगी और राजस्थान के लिए पदक जीतने में सफल रहेगी। संघ के अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह ने सभी चयनित खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि राजस्थान की टीम राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश का गौरव बढ़ाएगी।

रणजी ट्रॉफी : तीसरे दिन राजस्थान मजबूत, रेलवे पर फॉलोऑन का खतरा

जयपुर, 20 अक्टूबर। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में खेले जा रहे राजस्थान और रेलवे के बीच रणजी ट्रॉफी मुकाबले के तीसरे दिन राजस्थान ने अपनी स्थिति मजबूत कर ली। राजस्थान के पहली पारी में बनाए गए 497 रन के जवाब में रेलवे ने दिन का खेल समाप्त होने तक 6 विकेट पर 305 रन बना लिए हैं। रेलवे अभी भी राजस्थान से 192 रन पीछे है। रेलवे की ओर से भार्गव मेराई ने 73, ईशान गोयल ने 64 और रवि सिंह ने 53 रन की पारियां खेलीं। राजस्थान की ओर से अजय सिंह कुकना ने 88 रन देकर 2 विकेट लिए, जबकि आकाश सिंह, डेनिश भाभू, चेतन शर्मा और मोहित छांगरा ने 1-1 विकेट हासिल किया। मैच का अंतिम दिन बुधवार को खेला जाएगा। रेलवे को फॉलोऑन से बचने के लिए अभी 43 रन और बनाने हैं।

अंडर-23 सीके नायडू ट्रॉफी: बंगाल ने बनाई बढ़त – जयपुरिया ग्राउंड पर राजस्थान और बंगाल के बीच

खेले जा रहे अंडर-23 सीके नायडू ट्रॉफी मुकाबले के दूसरे दिन बंगाल ने राजस्थान के 152 रन के जवाब में 8 विकेट पर 308 रन बना लिए। इस तरह बंगाल ने पहली पारी में 156 रन की बढ़त हासिल कर ली है। बंगाल की ओर से सुमित नाग ने नाबाद 100 रन की शतकीय पारी खेली। शशांक सिंह ने 89 और जीत ठाकुर ने 50 रन का योगदान दिया। राजस्थान की ओर से हिमांशु नेहरा ने 53 रन देकर 2 विकेट लिए, जबकि अंकित कुमार और आयुष अमेरिया को 1-1 विकेट मिला।

अंडर-23 महिला टी-20 चैलेंजर ट्रॉफी: टीम डी ने टीम सी को हराया – अंडर-23 महिला टी-20 चैलेंजर ट्रॉफी में टीम डी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 152 रन बनाए। टीम की ओर से काव्या विश्नोई ने 60 और प्रियांशी जैन ने 52 रन की पारियां खेलीं। जवाब में टीम सी 20 ओवर में 6 विकेट पर 120 रन ही बना सकी। टीम की ओर से औली श्रीमाली ने 23 रन बनाए। टीम डी की गेंदबाजी में मनीषा चौधरी ने 14 रन देकर 3 विकेट हासिल किए, जबकि प्रिया सामोता ने 9 रन देकर 2 विकेट लिए।

महिला टी-20 चैलेंजर ट्रॉफी: टीम बी की जीत – एक अन्य मुकाबले में टीम ए ने 13 ओवर के निर्धारित मैच में 5 विकेट पर 51 रन बनाए। टीम की ओर से अक्षिता शारदा ने 17 और प्रियांशी चौधरी ने 16 रन बनाए। टीम बी की ओर से अनुष्का शर्मा, लावण्या शर्मा, सुमन तंवर और हृतिका ने 1-1 विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम बी ने 1 विकेट के नुकसान पर 55 रन बनाकर जीत दर्ज की। टीम की ओर से अंशु सैनी ने नाबाद 23 और शिवानी चौधरी ने 21 रन बनाए।

// एशियाई पैरा खेल //

एशियाई पैरा खेल - भारत के लिए ऐतिहासिक रहा दूसरा दिन 5 स्वर्ण सहित जीते रिकॉर्ड 24 पदक

आइची-नागोया, 20 अक्टूबर। एशियाई पैरा खेलों में भारत ने दूसरे दिन (खेलों के आधार पर) रिकॉर्ड प्रदर्शन करते हुए एथलेटिक्स, पैरा टेबल टेनिस, निशानेबाजी, पावरलिफ्टिंग और तैराकी में कुल 24 पदक अपने नाम किए, जिनमें 5 स्वर्ण, 6 रजत और 13 कांस्य पदक हैं। भारत अब 35 पदकों (9 स्वर्ण, 11 रजत और 15 कांस्य) के साथ पदक तालिका में छठे स्थान पर है।

चक्का फेंक में भारत का क्लीन स्वीप, देवेंद्र ने स्वर्ण, राकेश को रजत और प्रदीप ने जीता कांस्य

भारत ने पांचवें एशियाई पैरा खेल-2026 में पुरुषों की चक्का फेंक स्पर्धा में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए तीनों पदक अपने नाम किए। देवेन्दर कुमार ने स्वर्ण, राकेश ने रजत और प्रदीप कुमार ने कांस्य पदक जीतकर भारतीय तिरंगे का मान बढ़ाया। यह मुकाबला एफ-43, एफ-44, एफ-62 और एफ-64 वर्गों के खिलाड़ियों के बीच आयोजित किया गया।

निषाद कुमार ने खेलों के रिकॉर्ड के साथ जीता दूसरा स्वर्ण

भारत के स्टार पैरा एथलीट निषाद कुमार ने पांचवें एशियाई पैरा खेल-2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए पुरुषों की ऊंची कूद टी-47 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत लिया। उन्होंने 2.04 मीटर की छलांग लगाकर खेलों का नया रिकॉर्ड बनाया। यह इन खेलों में निषाद का दूसरा स्वर्ण पदक है। इससे एक दिन पहले उन्होंने पुरुषों की लंबी कूद स्पर्धा (टी-47) में भी 7.11 मीटर की दूरी के साथ स्वर्ण पदक जीता था। निषाद ने प्रतियोगिता में 1.88 मीटर और 1.98 मीटर की ऊंचाई आसानी से पार की। इसके बाद उज्बेकिस्तान के मुहम्मदअबदुल्लोह तुर्सुनजोनोव 1.96 मीटर की ऊंचाई पार करने में असफल रहे। तुर्सुनजोनोव ने 1.94 मीटर की छलांग के साथ अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इसके बाद निषाद ने 2.04 मीटर की ऊंचाई पार कर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया और खेलों का नया रिकॉर्ड कायम किया।

सिमरन ने स्वर्ण जीतकर बनाया खेलों का नया रिकॉर्ड, डामोर को कांस्य

भारत की पैरा एथलीट सिमरन शर्मा ने एशियाई पैरा खेल-2026 में महिलाओं की 200 मीटर टी-12 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर खेलों का नया रिकॉर्ड बनाया। वहीं, पदार्पण कर रहीं भारत की तेजलबेन डामोर ने कांस्य पदक अपने नाम किया। इस तरह भारत ने इस स्पर्धा में दो पदक जीते। सिमरन ने फाइनल में 24.80 सेकंड का समय निकालकर पहला स्थान हासिल किया। उन्होंने ईरान की हज्जर सफरजादेह को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 25.02 सेकंड में दौड़ पूरी कर रजत पदक जीता। तेजलबेन ने 25.23 सेकंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। चीन की याकिन शेन 26.49 सेकंड के समय के साथ चौथे स्थान पर रहीं। सिमरन ने इस बार उन्होंने अपने समय में 1.32 सेकंड का सुधार करते हुए स्वर्ण पदक जीता और खेलों का नया रिकॉर्ड कायम किया।

प्रणव सूरमा ने एशियाई रिकॉर्ड के साथ जीता स्वर्ण, राम रतन सिंह को रजत

भारत के प्रणव सूरमा और राम रतन सिंह ने पांचवें एशियाई पैरा खेल-2026 में पुरुषों की चक्का फेंक स्पर्धा के एफ-51 वर्ग में स्वर्ण और रजत पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। प्रणव ने एशियाई रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जबकि राम रतन दूसरे स्थान पर रहे। प्रणव ने 11.66 मीटर दूर चक्का फेंककर 932 रजा अंक हासिल किए। राम रतन ने अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास में 10.35 मीटर की दूरी दर्ज करते हुए 809 रजा अंक प्राप्त किए और रजत पदक जीता। ईरान के अलीरेजा हेमामी तीसरे स्थान पर रहे। हालांकि, उपलब्ध विवरण में उनके प्रदर्शन को एफ-53 वर्ग से जोड़ा गया है, इसलिए उनके परिणाम की वर्गवार पुष्टि आवश्यक है।

दीप्ति जीवनजी ने लगातार दूसरी बार 400 मीटर का गोल्ड जीता

तेलंगाना की 23 साल की दीप्ति जीवनजी ने महिलाओं की 400 मीटर 20 स्पर्धा में 56.36 सेकेंड का समय निकालकर गोल्ड जीता। उन्होंने अपने ही 2022 के गेम्स रिकॉर्ड 56.59 सेकेंड को 0.23 सेकेंड से बेहतर किया। जापान की नीना कानो ने सिल्वर और अकारी काटो ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

निरंजन मुकुंदन ने तैराकी में जीता कांस्य पदक

भारत के निरंजन मुकुंदन ने पांचवें एशियाई पैरा खेल-2026 में तैराकी की पुरुषों की 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले एसएम-7 स्पर्धा में कांस्य पदक जीत लिया। निरंजन ने फाइनल में 2 मिनट 57.01 सेकंड का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया। इसी स्पर्धा में भारत के सुयश नारायण जाधव 3 मिनट 03.40 सेकंड के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहे। चीन के झांग यिलोंग ने 2 मिनट 37.69 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता और नया एशियाई रिकॉर्ड बनाया। फिलीपींस के अर्नी ग्विलन ने 2 मिनट 52.72 सेकंड के समय के साथ रजत पदक अपने नाम किया।

एशियाई पैरा खेल में एथलीट प्रीति पाल ने 200 मीटर दौड़ में जीता रजत पदक

भारत की पैरा एथलीट प्रीति पाल ने पांचवें एशियाई पैरा खेल-2026 में महिलाओं की 200 मीटर टी-35 स्पर्धा में रजत पदक जीत लिया। प्रीति ने फाइनल में 29.53 सेकंड का समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल किया। चीन की झोउ शिया ने 28.03 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता और खेलों का नया रिकॉर्ड बनाया। इराक की फातिमा सुवेद 30.82 सेकंड में दौड़ पूरी कर कांस्य पदक जीतने में सफल रहीं।

एशियाई पैरा खेल में हिमांशु ने तैराकी में जीता कांस्य

भारतीय पैरा तैराक हिमांशु नंदल ने एशियाई पैरा खेल-2026 में पुरुषों की 400 मीटर फ्रीस्टाइल एस-11 स्पर्धा में कांस्य पदक जीत लिया। पैरा तीरंदाजी में शीतल देवी और पायल नाग की जोड़ी ने महिला कंपाउंड युगल स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाकर भारत का एक और पदक पक्का कर दिया है। हिमांशु ने चार तैराकों के फाइनल में 5 मिनट 10.91 सेकंड का समय लेकर तीसरा स्थान हासिल किया। जापान के उचू तोमिता ने रजत और चीन के सुन चुआनझेन ने स्वर्ण पदक जीता। सुन ने इस दौरान एशियाई रिकॉर्ड भी बनाया। हिमांशु का कांस्य इस संस्करण में पैरा तैराकी में भारत का दूसरा पदक है। इस स्पर्धा में भारत के रवि कार्तिक बुडिगिना 5 मिनट 41.70 सेकंड के समय के साथ छठे स्थान पर रहे। रवि इससे पहले पुरुषों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल एस-13 स्पर्धा में रजत पदक जीत चुके हैं।

शीतल-पायल की जोड़ी स्वर्ण पदक से एक कदम दूर

पैरा तीरंदाजी की महिला कंपाउंड युगल स्पर्धा के सेमीफाइनल में शीतल देवी और पायल नाग ने थाईलैंड की फन्निबा स्त्राथोंगमाएव और वासना खुथाविसाप की जोड़ी को 151-135 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। अब भारतीय जोड़ी 21 अक्टूबर को सुबह 5 बजकर 55 मिनट (भारतीय समयानुसार) से होने वाले स्वर्ण पदक मुकाबले में चीन की जोड़ी से भिड़ेगी। भारतीय जोड़ी की इस जीत के साथ देश का एक और पदक सुनिश्चित हो गया है। अब शीतल और पायल की नजरें स्वर्ण पदक पर होंगी।

निशानेबाजी में सृष्टि और मनीष ने भी दिलाए पदक

इससे पहले भारतीय निशानेबाज सृष्टि अरोड़ा ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच-1 स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। उन्होंने फाइनल में 214.7 अंक हासिल किए। ईरान की फाएज़ेह अहमदी ने 237.3 अंकों के साथ स्वर्ण और सारा जावानमर्दी ने 237.0 अंकों के साथ रजत पदक जीता।

जेहान मदन ने टेबल टेनिस पुरुष एकल वर्ग-1 में जीता कांस्य

भारत के जेहान दोराब मदन ने एशियाई पैरा खेल-2026 में पुरुष एकल वर्ग-1 टेबल टेनिस स्पर्धा में कांस्य पदक जीत लिया है। इस स्पर्धा में यह भारत का पहला और एकमात्र पदक है। जेहान ने राउंड रॉबिन चरण में एक मुकाबला जीता और तीन में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने अपने अभियान की शुरुआत हमवतन संदीप डांगी को 3-1 से हराकर की। इसके बाद उन्हें सऊदी अरब के राकान अलसल्मी, कजाखस्तान के अरदाक नूरमागाम्बेतोव और दक्षिण कोरिया के ह्योनुक किम के खिलाफ हार मिली। पूल में चौथे स्थान पर रहने के बावजूद जेहान ने स्पर्धा में दिए जाने वाले दो कांस्य पदकों में से एक अपने नाम किया।

गोला फेंक में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ प्रवीण शर्मा ने जीता कांस्य

भारतीय पैरा एथलीट प्रवीण शर्मा ने आइची-नागोया एशियाई पैरा खेल-2026 में पुरुषों की गोला फेंक एफ-11 स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर भारत का मान बढ़ाया। अपने पदार्पण एशियाई पैरा खेल में 19 वर्षीय प्रवीण ने अंतिम प्रयास में 13.86 मीटर गोला फेंककर व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और तीसरा स्थान हासिल किया।

मलिक ने रचा इतिहास, पावरलिफ्टिंग में पुरुषों के 65 किग्रा वर्ग में 192 किग्रा भार उठाकर जीता रजत

भारतीय पैरा पावरलिफ्टर अशोक कुमार मलिक ने एशियाई पैरा खेल-2026 में इतिहास रचते हुए पुरुषों के 65 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीत लिया। उनके इस प्रदर्शन के साथ भारत ने इस संस्करण में पैरा पावरलिफ्टिंग में अपना पहला पदक हासिल किया। अशोक ने अपने दूसरे प्रयास में 192 किलोग्राम भार सफलतापूर्वक उठाकर दूसरा स्थान सुनिश्चित किया। उन्होंने पहले प्रयास में 187 किलोग्राम भार उठाया था। स्वर्ण पदक के लिए उन्होंने अंतिम प्रयास में 201 किलोग्राम भार उठाने की चुनौती स्वीकार की, लेकिन वह इसमें सफल नहीं हो सके।

आईसीसी टी-20 रैंकिंग में श्री चरणी और दीप्ति शर्मा का दबदबा बरकरार

दुबई, 20 अक्टूबर। भारतीय स्पिन गेंदबाज श्री चरणी और दीप्ति शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में अपना दबदबा बरकरार रखा है। जिम्बाब्वे के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन करने वाली तेज गेंदबाज नंदनी शर्मा और क्रांति गौड़ ने गेंदबाजों की रैंकिंग में सुधार किया है। भारत ने तीन मैचों की श्रृंखला में शुरुआती दोनों मुकाबले जीतकर 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। रायपुर में खेले गए शुरुआती दो मुकाबलों में भारतीय खिलाड़ियों ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया। तेज गेंदबाज नंदनी शर्मा ने दोनों मैचों में कुल तीन विकेट लेकर संयुक्त रूप से सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाजों में जगह बनाई। इसका फायदा उन्हें रैंकिंग में मिला और वह 26 स्थान की छलांग लगाकर 45वें पायदान पर पहुंच गईं। क्रांति गौड़ भी नौ स्थान ऊपर चढ़कर 43वें स्थान पर पहुंच गईं। वहीं, श्री चरणी और दीप्ति शर्मा ने जिम्बाब्वे के खिलाफ किफायती गेंदबाजी करते हुए क्रमशः पहला और दूसरा स्थान बरकरार रखा।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सांस्कृतिक चेतना को नई ऊर्जा मिली- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब आतंकवाद व नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक कार्यवाही की जा रही है

जयपुर, 20 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विजयादशमी का पर्व केवल रावण वध का स्मरण करने का अवसर नहीं, बल्कि समाज में व्याप्त बुराइयों और कुरीतियों को समाप्त करने का संकल्प लेने का भी पर्व है।

मुख्यमंत्री मंगलवार को जयपुर के आदर्श नगर में विजयादशमी के अवसर पर आयोजित रावण दहन महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकास के साथ,

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर के आदर्श नगर में विजयदशमी पर आयोजित रावण दहन महोत्सव को संबोधित किया।**

सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन का ऐतिहासिक कार्य हो रहा है। अयोध्या में श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा, काशी विश्वनाथ धाम का पुनर्विकास, उज्जैन में महाकाल लोक का निर्माण और सोमनाथ की गौरवशाली विरासत के स्मरण जैसे कार्यों ने देश की सांस्कृतिक चेतना को नई ऊर्जा प्रदान की है। उन्होंने आगे कहा कि इसी प्रकार, सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवाद के विरुद्ध भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया है। वहीं, नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई से देश में शांति और सुरक्षा का वातावरण मजबूत हुआ है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जयपुर के आदर्श नगर में विजयादशमी के अवसर पर आयोजित रावण दहन महोत्सव में शामिल हुए।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भी प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और धार्मिक स्थलों के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने श्रीराम मंदिर में राम दरबार के दर्शन और पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली और सुख-समृद्धि की कामना की।

यूसुफ पठान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परिस्थितियाँ भी बदलती रहीं। दिलचस्प बात यह है कि भारतीय जनता पार्टी के नियंत्रण वाले वडोदरा नगर निगम ने 2024 में तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा चुनाव जीतने के तुरंत बाद पठान को अतिक्रमण हटाने का नोटिस जारी किया था। पठान ने इस नोटिस को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी।

हाल के महीनों में न्यायिक जाँच तेज होने के साथ यह कानूनी लड़ाई एक अहम मोड़ पर पहुँच गई। उच्च न्यायालय ने हाल ही में जमीन पर कब्जे को लेकर कड़ी नाराजगी जताई और सवाल उठाया कि अंतिम आवंटन तथा उचित वित्तीय मंजूरी के बिना नगर निगम की जमीन का इस्तेमाल कैसे किया जा रहा है।

अदालत की सख्त चेतावनियों और संभावित जुर्माने को देखते हुए, क्रिकेटर के कानूनी प्रतिनिधियों ने उच्च न्यायालय में लंबित अपीलें बिना किसी शर्त के वापस लेने का फैसला किया। इससे प्रशासन को इस मामले पर नए सिरे से विचार-विमर्श करने का रास्ता मिल गया।

पटाखा मुक्त ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संस्थानों, आवासीय कल्याण संघों और स्थानीय समुदायों तक पहुंच बनाई जाएगी। इसमें राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत शामिल 130 शहरों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

'लोकतंत्र में समस्याएं तो बनी रहेंगी और इस कारण से आंदोलन भी होंगे'

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने अपने दशहरा उद्बोधन में यह भी कहा कि विरोध प्रदर्शनों से समाज में विभाजन पैदा नहीं होना चाहिए

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर। विरोध प्रदर्शन किसी समस्या को लेकर लोगों को एकजुट कर सकते हैं, लेकिन जब आंदोलन ही समाज में विभाजन का कारण बनने लगें, तो क्या होगा? राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार को नागपुर में विजयादशमी के अपने संबोधन में इस सवाल पर बात की।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में आंदोलन होना स्वाभाविक है, लेकिन उनका उद्देश्य समस्याओं का समाधान करना होना चाहिए, न कि समाज में दूरियों या मतभेदों को और बढ़ाना।

उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब भारत में नीट-यूजी के प्रश्नपत्र लीक होने और हाल ही में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विरोध प्रदर्शन हुए हैं, जिनमें विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की गई है।

भागवत ने कहा, "समस्याएँ तो बनी रहेंगी। इन समस्याओं के कारण आंदोलन भी होंगे और लोकतंत्र में आंदोलन होना स्वाभाविक है। लेकिन आंदोलन किसलिए होने चाहिए? उनका उद्देश्य समाधान निकालना होना चाहिए।"

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि विरोध प्रदर्शनों के कारण दुश्मनी या समाज में विभाजन पैदा न हो, यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सभी पक्षों की है। इसमें आंदोलन करने वाले समूह, सरकार, प्रशासन और राजनीतिक नेता शामिल हैं। उन्होंने कहा, "हमारी भावनाएँ कितनी भी तीव्र क्यों न हों, संविधान और कानून के तहत हमारे काम करने की कुछ सीमाएँ हैं। इसके अलावा, सभ्य सार्वजनिक आचरणों के नियमों के अनुसार भी, हमारी बातचीत और व्यवहार की कुछ सीमाएं तय हैं। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारे काम इन सीमाओं के दायरे में ही रहें।"

भागवत ने पश्चिमी देशों के बारे में बात करते हुए आरोप लगाया कि भारत को कमज़ोर करने की कोशिश करने वाली ताकतें देश में अस्थिरता पैदा करने और आंतरिक घटनाक्रमों को प्रभावित करने के लिए अलग-अलग तरीकों का इस्तेमाल कर रही हैं।

मोहन भागवत ने आरोप लगाया है कि वैश्विक ताकतें सत्ता परिवर्तन की कोशिशों के जरिए भारत को कमजोर करने का प्रयास कर रही हैं। उन्होंने दावा किया कि देश में ऐसी कोशिशें पहले से ही चल रही हैं और इन्हें राजनीतिक महत्वाकांक्षा से प्रेरित, सत्ता के भूखे नेता समर्थन दे रहे हैं।

छात्र आंदोलन का असर सुरक्षा परिषद का सदस्य बनने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शांतिपूर्ण तरीके से इकट्ठा होने तथा स्वतंत्र पत्रकारिता के लिए मिले संवैधानिक अधिकारों का पर्याप्त सम्मान किया गया? यह घटनाक्रम यूएनएससी में स्थायी सदस्यता के लिए भारत के लंबे समय से चल रहे अभियान की पृष्ठभूमि में सामने आया है। इसके साथ ही, भारत खुद को विकासशील देशों की एक प्रमुख आवाज़ और एक अधिक समावेशी अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के समर्थक के रूप में स्थापित करने का भी प्रयास कर रहा है। भारत का तर्क है कि सुरक्षा परिषद की वर्तमान संरचना, जो 1945 की भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को दर्शाती है, आज की वैश्विक शक्ति और जनसंख्या वितरण का सही प्रतिनिधित्व नहीं करती है। नई दिल्ली ने अपनी आर्थिक ताकत, राजनयिक पहुंच, बहुपक्षीय संस्थाओं में भागीदारी और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा व विकास में अपनी भूमिका के ज़रिए अपना पक्ष मज़बूत करने की कोशिश की है। हालाँकि, स्थायी सदस्यता का मुद्दा अंततः अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और संस्थागत सुधार से जुड़ा है, यह कोई ऐसा इनाम नहीं है, जो केवल किसी देश के घरेलू राजनीतिक रिकॉर्ड के आधार पर दे दिया जाए। सुरक्षा परिषद के विस्तार के लिए यूएन चार्टर में बदलाव की ज़रूरत होगी, जिसमें मौजूदा स्थायी सदस्यों की मंज़ूरी और यूएन के सदस्य देशों द्वारा ज़रूरी अनुसमर्थन शामिल है। फिर भी, लोकतांत्रिक शासन और मौलिक अधिकारों का सम्मान उस व्यापक अंतरराष्ट्रीय संदर्भ का हिस्सा हैं, जिसके आधार पर वैश्विक नेतृत्व के लिए भारत के दावों का आकलन किया जाता है। प्रभावशाली विदेशी मीडिया में की गई आलोचनात्मक रिपोर्टिंग, भारत को लोकतांत्रिक शासन के एक आदर्श के रूप में पेश करने के प्रयासों को मुश्किल बना सकती है। ऐसा तब और भी होता है, जब आरोप छात्रों, पत्रकारों और चुनावी प्रक्रियाओं पर सवाल उठाने वाले नागरिकों के साथ किए गए व्यवहार से जुड़े हों। इन बातों का बहुत ज़्यादा मतलब नहीं निकाला जाना चाहिए। अख़बारों में छपी आलोचनात्मक रिपोर्टों को विदेशी सरकारों का सामूहिक फ़ैसला नहीं माना जा सकता, और न ही इससे यह साबित होता है कि भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं ने काम करना बंद कर दिया है। भारत का संवैधानिक ढांचा, प्रतिस्पर्धी चुनाव, स्वतंत्र न्यायपालिका और सक्रिय नागरिक समाज, इसके व्यापक मूल्यांकन के महत्वपूर्ण हिस्से बने हुए हैं। लेकिन अगर पुलिस की अत्यधिक सख्त कार्रवाई के आरोपों की विश्वसनीय जांच नहीं होती है, पत्रकारों पर पाबंदियां बनी रहती हैं, या मतदाता सूची में बदलाव को लेकर उठने वाली चिंताओं का समाधान पारदर्शी तरीके से नहीं किया जाता है, तो इससे भारत की छवि को और ज्यादा नुकसान पहुँच सकता है। इसलिए भारत के सामने चुनौती सिर्फ़ अपने ख़िलाफ़ आने वाली अंतरराष्ट्रीय ख़बरों का जवाब देने की नहीं है, बल्कि यह साबित करने की है कि उसकी लोकतांत्रिक संस्थाएं असहमति को जगह दे सकती हैं, प्रेस की रक्षा कर सकती हैं, और नागरिकों के अधिकारों से जुड़े विवादों में प्रभावी समाधान प्रदान कर सकती हैं। जैसे-जैसे नई दिल्ली अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को आकार देने में अपनी अधिक प्रभावी भूमिका की मांग कर रही है, उसके तर्कों की विश्वसनीयता न केवल उसकी आर्थिक और रणनीतिक ताकत पर निर्भर करेगी, बल्कि इस बात पर भी निर्भर करेगी कि वह विश्व मंच पर जिन लोकतांत्रिक सिद्धांतों की वकालत करती है, उन्हें कितनी निरंतरता के साथ लागू करती है।

प्रियंका गांधी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सीटों की सूची में शामिल किया गया है। इसके अलावा, इस सूची में पार्टी के प्रमुख नेताओं जैसे अजय राय, अजय लल्लू, सुप्रिया श्रीनेत और नदीम जावेद से जुड़ी सीटें भी शामिल हैं। कांग्रेस अमेठी, रायबरेली और सहारनपुर की उन सीटों पर भी अपना दावा करना चाहती है, जहाँ फिलहाल समाजवादी पार्टी के विधायक हैं। इसके अलावा, पार्टी की नज़र लगभग एक दर्जन ऐसी सीटों पर भी है, जहाँ समाजवादी पार्टी जीती थी।

यूपी के सभी जिलों में सरदार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समुदाय की अच्छी-खासी मौजूदगी है और माना जाता है कि ये लगभग 48-50 विधानसभा क्षेत्रों में काफी प्रभाव रखते हैं। वर्तमान में, राज्य विधानसभा में सबसे ज्यादा कुर्मी विधायक, (लगभग 40 कुर्मी विधायकों में से करीब 27) विधायक भाजपा के पास हैं। इसके अलावा, पार्टी के संगठन में भी कुर्मी समुदाय के लोगों को अहम पदों पर रखा गया है और कुर्मी-बहुल अपना दल (एस) के साथ भाजपा का गठबंधन भी है। हालांकि, कुछ सर्वे बताते हैं कि 2019 से 2024 के बीच कुर्मी समुदाय के एनडीए के समर्थन में कुछ कमी आई है, इसलिए अब इस रिश्ते को फिर से मजबूत करने की कोशिशें की जा रही हैं।

इस पहल के जरिए, भाजपा का लक्ष्य राज्य में लंबे समय से चली आ रही अपनी 'सामाजिक गठबंधन' रणनीति के तहत, गैर-यादव ओबीसी समुदायों को और अधिक मजबूती से अपने साथ जोड़ना है।

राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भाव की पटेल की विरासत को समकालीन राजनीति से जोड़कर, पार्टी इन समूहों के बीच प्रतीकात्मक और संगठनात्मक लाभ हासिल करना चाहती है। साथ ही, वह विभाजनकारी जाति - राजनीति के खिलाफ अपने नैरेटिव को और मजबूत करना चाहती है। विपक्षी दलों, खासकर समाजवादी पार्टी द्वारा इस कदम के जवाब में "पीडीए" (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) अभियान को तेज किये जाने देने की उम्मीद है। वे सामाजिक न्याय, गैर-यादव ओबीसी समुदायों को अधिक प्रतिनिधित्व देने, और किसानों, रोजगार तथा कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर मौजूदा सरकार के कामकाज की आलोचना करने पर जोर देंगे। समाजवादी पार्टी पहले ही कुर्मी समुदाय के प्रतिनिधित्व को बढ़ा चुकी है और वह आगे भी इस समुदाय के नेताओं को अहमियत दे सकती है, साथ ही ओबीसी के मुद्दों पर भाजपा की गंभीरता पर सवाल उठा सकती है।

कांग्रेस संभवतः जाति जनगणना की मांग को जोर-शोर से उठाएगी और राष्ट्र-निर्माण में अपने ऐतिहासिक योगदान को रेखांकित करेगी। वहीं, छोटे दल किसी भी विपक्षी गठबंधन में सीटों के बड़े हिस्से की मांग कर सकते हैं या अपने स्वतन्त्र एवं निर्दलीय अस्तित्व पर जोर देने के प्रयास कर सकते हैं।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031-32,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालौर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422-23, जालौर। फैक्स: 02973-226424, हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908